अध्ययन प्रतिवेदन

साहिबगंज में समुदाय आधारित जल प्रबंधन की वर्तमान स्थिति

(झारखण्ड में साहिबगंज जिले के 6 आर्सेनिक प्रभावित ग्राम पंचायतों में विकेन्द्रीकृत पेयजल सुरक्षा परियोजना के अन्तर्गत निर्मित)

प्रस्तुति

ज्ञान ही शक्ति है
प्रिया

Arghyam
SAFE, SUSTAINABLE WATER FOR ALL

जून 2014

प्राक्कथन

देश के पूर्वी मध्य भाग में स्थित झारखण्ड में प्रतिवर्ष औसतन 1400 मिलीमीटर बारिश होती है। भारत सरकार के जल संसाधन मंत्रालय के अंतर्गत गठित केन्द्रीय भूगर्भ जल बोर्ड की 2007 की एक रिपोर्ट के अनुसार राज्य के साहिबगंज जिले में प्रतिवर्ष औसत रूप से 1575 मिलीमीटर वर्षा होती है। इन आँकड़ों के आधार पर झारखण्ड और साहिबगंज दोनों की ही स्थिति भूगर्भ जल के संदर्भ में अच्छी मानी जा सकती है।

किन्तु इससे इतर एक और महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि राज्य में पेय जल की समस्या लगातार विकराल रूप लेती जा रही है। साहिबगंज के संदर्भ में यह समस्या और गंभीर दिखती है क्योंकि जिले में पेय जल की कमी के साथ ही साथ उपलब्ध पानी में रासायनिक तत्वों की मौजूदगी के कारण लोगों के स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। जिले में पिछले कुछ सालों से खनन का काम भी तेजी से बढ़ा है जिससे पानी के उपलब्ध स्रोत या तो सूख रहे हैं या उनका क्षरण हो रहा है। इस कारण से जिले के ग्रामीण और पहाड़ी क्षेत्रों में रहने वाले परिवारों को चौतरफा मार का सामना कर पड़ रहा है।

राज्य में वर्ष 2010 में आयोजित किये गये पंचायती राज संस्थाओं के चुनावों के बाद से यह उम्मीद भी जगी कि पंचायती राज संस्थायें स्थानीय स्तर पर केन्द्र और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं (जैसे निर्मल भारत अभियान, महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी कार्यक्रम इत्यादि) के माध्यम से ग्रामीण लोगों को शुद्ध पीने का पानी उपलब्ध कराने का प्रयास करेंगे। राज्य सरकार के द्वारा जल सहिया की नियुक्ति से इस उम्मीद को और बल मिला। किन्तु आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र और बाद में एक राज्य के रूप में पहचान बनाने के बाद झारखण्ड राज्य और साहिबगंज के लोगों को शुद्ध पीने का पानी उपलब्ध कराना अभी भी एक चुनौती है।

साहिबगंज जिले में विकेन्द्रीकृत और समुदाय आधारित जल प्रबंधन को बढ़वा देने के लिये 'अर्घ्यम् फाउंडेशन' बैंगलोर के सहयोग से 'प्रिया' (नई दिल्ली) और साथी (गोड्डा) के द्वारा एक परियोजना का आरम्भ किया गया है। परियोजना के आरम्भ में एक सर्वेक्षण के माध्यम से साहिबगंज जिले में समुदाय आधारित जल प्रबंधन की वर्तमान स्थिति को समझने का प्रयास किया गया। प्रस्तुत प्रतिवेदन उस सर्वेक्षण का परिणाम है। इस प्रतिवेदन से परियोजना के अन्य कार्यक्रमों के साथ ही साथ राज्य सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों के निर्धारण में मदद मिलेगी ऐसा हमारा विश्वास है।

प्रिया (नई दिल्ली)
साथी (साहिबगंज)
अर्घ्यम् (बैंगलोर)

आभार

21वीं सदी के आरम्भ होने से कुछ समय पहले ही नये राज्य के रूप में गठित झारखण्ड में सामुदायिक सहभागिता का एक लम्बा इतिहास रहा है। पंचायती राज संस्थाओं के चुनावों और जल सहियाओं की नियुक्ति के बाद स्थानीय स्तर पर समुदाय आधारित योजनाओं को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

वर्ष में अच्छी बारिश का औसत होते हुये भी विगत कुछ वर्षों से झारखण्ड में पीने के पानी की समस्या बढ़ती जा रही है। राज्य के साहिबगंज जिले में पानी की कमी की समस्या के साथ ही पानी की शुद्धता की भी समस्या है। 'साहिबगंज जिले के 6 आर्सेनिक प्रभावित ग्राम पंचायतों में विकेन्द्रीकृत पेयजल सुरक्षा परियोजना' के माध्यम से इन समस्याओं को दूर करने के लिये स्थानीय स्तर पर समुदाय आधारित जल प्रबंधन के प्रयासों को बढ़ावा देने का काम किया जाना है। इस संदर्भ में साहिबगंज जिले में समुदाय आधारित जल प्रबंधन की वर्तमान स्थिति को समझने के लिये परियोजना के अन्तर्गत बेस लाइन सर्वेक्षण कराया गया।

प्रस्तुत बेस लाइन सर्वेक्षण के कार्य को पूरा करने के विभिन्न चरणों में साहिबगंज जिले के उपायुक्त श्री ए. मुथू कुमार के निर्दशन में विभिन्न विभागों और उनके पदाधिकारियों ने जो सहयोग दिया है हम उसके प्रति आभार व्यक्त करते हैं। साहिबगंज के पेय जल एवं स्वच्छता विभाग के अधिशासी अभियंता श्री सुनील कुमार और उनके सहयोगी कनिष्क अभियंताओं (विकास खण्ड मंडरो और उधवा) तथा लैब सहायक डा0 संजय कुमार ने सर्वेक्षण की प्रश्नावली तैयार करने से लेकर पानी की जाँच के संबंध में चयनित ग्राम पंचायतों के लोगों का निरन्तर सहयोग दिया है जिसके लिये हम उनका आभार व्यक्त करते हैं। इस कार्य में जिले के बी.आर.सी. के रूप में कार्य कर रहे 'अदिति' संस्था के सभी सदस्यों का भी हम आभार व्यक्त करते हैं जिन्होंने समय–समय पर चर्चा के माध्यम से विभिन्न प्रकार की जानकारियाँ सर्वेक्षण टीम को उपलब्ध करायीं।

ग्राम पंचायत के स्तर सर्वेक्षण दल को चयनित ग्राम पंचायतों के मुखियाओं का जो सहयोग मिला हम उसके प्रति सभी मुखिया लोगों के प्रति आभार व्यक्त करते हुये उनके सहयोग के लिये धन्वाद देना चाहते हैं। सर्वेक्षण के दौरान जिन जल सहियाओं और ग्राम पंचायतों के सदस्यों ने हमें जानकारी उपलब्ध करायी हम उसके लिये उन सभी को धन्यवाद देते हैं। चयनित ग्राम पंचायतों के उन सभी परिवारों के प्रति हम आभारी हैं जिन्होंने सर्वेक्षण कार्य के दौरान अपना कीमती समय हमें दिया और चर्चा के माध्यम से विभिन्न जानकारियों से अवगत कराया।

सर्वेक्षण कार्य को पूरा करने में 'साथी' के एनिमेटरों सुश्री मनीषा मरांडी (अम्बाडीहा), श्री पृथ्वीराज टूडू (महादेव बरन), श्री अजय मालतो (दामीन भीटा), सुश्री सुनीता स्वर्णकार (पूर्वी उधवा), श्री वरूण कुमार मंडल (अमानत दियारा), श्री सौरव कुमार (मोहनपुर), तथा समन्वयकों श्री राकेश कुमार (साहिबगंज), श्री ब्रज किशोर मिश्र (मंडरो), और श्री सचिदानन्द (उधवा) ने जो परिश्रम किया है हम उसके प्रति उन सभी का आभार व्यक्त करते हैं। 'साथी' संस्था के डा0 नीरज कुमार को सर्वेक्षण कार्य के दौरान दल के सदस्यों को निरन्तर मार्गदर्शन देने के लिये हम उनका भी आभार व्यक्त करते हैं।

अर्घ्यम बैंगलोर के द्वारा इस परियोजना को वित्तीय सहयोग देने के साथ–साथ तकनीकी सहयोग भी उपलब्ध कराया जा रहा है। सर्वेक्षण कार्य के दौरान अर्घ्यम के श्री अयन विश्वास के द्वारा दी गयी विभिन्न जानकारियों के लिये हम उनके प्रति भी आभार व्यक्त करते हैं।

प्रिया–झारखण्ड के सहयोगी श्री कुमार संजय ने इस सर्वेक्षण कार्य को पूरी प्रतिबद्धता के साथ पूरा कराया। उनके अथक सहयोग के लिये हम उनके प्रति आभार व्यक्त करते हैं। बेस लाइन सर्वेक्षण कार्य को समयबद्ध तरीके से पूरा कराने के लिये प्रिया के निदेशक श्री मनोज राय और उप निदेशक सुश्री नम्रता जेटली ने निरन्तर सहयोग के लिये हम उनके प्रति आभारी हैं। प्रिया के अध्यक्ष डा0 राजेश टंडन ने सर्वेक्षण के इस कार्य में समय–समय अपना मार्गदर्शन दिया है जिसके लिये हम उनके प्रति भी अपना व्यक्त करते हैं।

हमें विश्वास है कि प्रस्तुत प्रतिवेदन परियोजना के विभिन्न चरणों में बनाये जाने वाले कार्यक्रमों के साथ–साथ जिले के विभिन्न विभागों और राज्य सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों के निर्धारण में भी सहयोगी होगा।

जून, 2014।

डा0 आलोक पाण्डेय

उप निदेशक,

प्रिया, नई दिल्ली।

विषय क्रम

अध्याय	विषय वस्तु	पृष्ठ संख्या
	प्राक्कथन	1
	आभार	2
1	**झारखण्ड में जल प्रबंधन**	**5**
1.1	पृष्ठभूमि	5
1.2	झारखण्ड की जल नीति	6
1.3	जल प्रबंधन और वर्तमान चुनौतियाँ	7
1.4	परियोजना के बारे में	7
1.5	परियोजना की प्रमुख गतिविधियाँ	9
2	**बेस लाइन सर्वेक्षण और इसकी पद्धति**	**10**
2.1	सर्वेक्षण के लिये प्रतिदर्श (सैंपल) का निर्धारण	11
2.2	सर्वेक्षण कार्य और उससे जुड़ी कुछ महत्वपूर्ण जानकारियाँ	12
3	**साहिबगंज में समुदाय आधारित जल प्रबंधन की स्थिति**	**15**
3.1	ग्राम पंचायत के स्तर पर पेय जल के स्रोत और उनकी उपलब्धता	15
3.2	परिवार के स्तर पर पेयजल और जल स्रोत की उपलब्धता	18
3.3	पानी और उससे जुड़ी स्वास्थ्य संबंधी समस्यायें	20
3.4	पानी में मिलावट की समस्या और इससे संबंधित जागरूकता	21
3.5	ग्राम पंचायत के स्तर पर पीने के पानी का प्रबंधन	24
3.6	पेयजल स्वच्छता और समुदाय आधारित प्रयास	26
3.7	जल सुरक्षा योजना और इससे जुड़े क्षमता विकास के प्रयास	28
4	**साहिबगंज में वर्तमान जल प्रबंधन में सुधार की संभावनायें**	**30**
4.1	ग्राम पंचायत के स्तर पर पेयजल प्रबंधन की स्थिति में सुधार हेतु जागरूकता	30
4.2	ग्राम पंचायत के स्तर पर पेयजल प्रबंधन संबंधी योजनाओं का निर्माण	31
4.3	ग्राम पंचायतों की योजनाओं के लिये वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता	31
	संलग्नक–1	**33**
	संलग्नक–2	**46**

अध्याय 1

झारखण्ड में जल प्रबंधन

1.1 पृष्ठभूमि

मानव सभ्यता के इतिहास में जल का अदृतीय स्थान रहा है। इतिहास इस बात का भी साक्षी है कि दुनिया भर की सम्यताओं का विकास और विनाश का संबंध भी जल के साथ बहुत करीब से जुड़ा रहा है। विविधताओं से भरे भारत देश में भी जल का स्थानीय लोगों के जीवन में एक महत्वपूर्ण स्थान है। यहाँ लोगों के जन्म और मृत्यु से लेकर उनके दैनिक जीवन में भी जल के उपयोग के साथ ही साथ उसे बचाने, उसकी पूजा करने और उसकी पवित्रता (शुद्धता) को बनाये रखने के अनेक विधान भी देखने को मिलते हैं। किन्तु इतना होने के बाद भी देश के कई हिस्से ऐसे हैं जहाँ आज भी लोगों को शुद्ध पीने का पानी उपलब्ध करा पाना नियोजनकर्ताओं (सरकार तथा अन्य सेवा देने वाले संस्थानों से जुड़े) के सामने एक जटिल समस्या के रूप में है।

21वीं सदी के आरम्भ से कुछ दिन पहले ही आजाद भारत के बिहार राज्य से अलग कर नये राज्य के रूप में गठित किये गये झारखण्ड[1] में भी शुद्ध पीने के पानी की समस्या यहाँ के अनेक क्षेत्रों में दिखायी देती है। यद्यपि भारत सरकार के द्वारा बनाये गये विभिन्न नीतियों, कार्यक्रमों और योजनाओं को राज्य में लागू किया गया है किन्तु इसके बाद भी राज्य में पानी की समस्या बनी हुई है। इस समस्या को ध्यान में रखकर राज्य सरकार के केन्द्र सरकार के सहयोग से विभिन्न योजनाओं का संचालन किया गया किन्तु राज्य के सभी लोगों को शुद्ध पीने का पानी उपलब्ध करा पाना अभी भी सरकार के सामने एक प्रमुख चुनौती है।

[1] झारखण्ड राज्य 15 नवम्बर 2000 से अस्तित्व में आया।

1.2 झारखण्ड की जल नीति

यद्यपि राज्य सरकार के द्वारा वर्ष 2011 में राज्य की जल नीति को तैयार किया गया है। जल संसाधन विभाग, झारखण्ड सरकार के द्वारा वर्ष 2011 में तैयार की गयी 'झारखण्ड राज्य जल नीति' के अनुसार 'ग्रामीण क्षेत्रों में भी पेयजलापूर्ति एवं स्वच्छता की योजना तथा प्रबंधन में समुदाय को प्रभावकारी ढंग से शामिल किया जायेगा। इन सेवाओं का दिनानुदिन आधार पर प्रबंधन, संचालन तथा अनुरक्षण सामुदायिक स्तरीय संगठन तथा समुचित स्थानीय स्तरीय निकायों द्वारा किया जायेगा।'[2] किन्तु इस नीति के बनने के बाद भी स्थानीय स्तर पर जल प्रबंधन में समुदाय की भागीदारी सीमित है। झारखण्ड के लोगों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध न होने की यह एक प्रमुख वजह भी है।

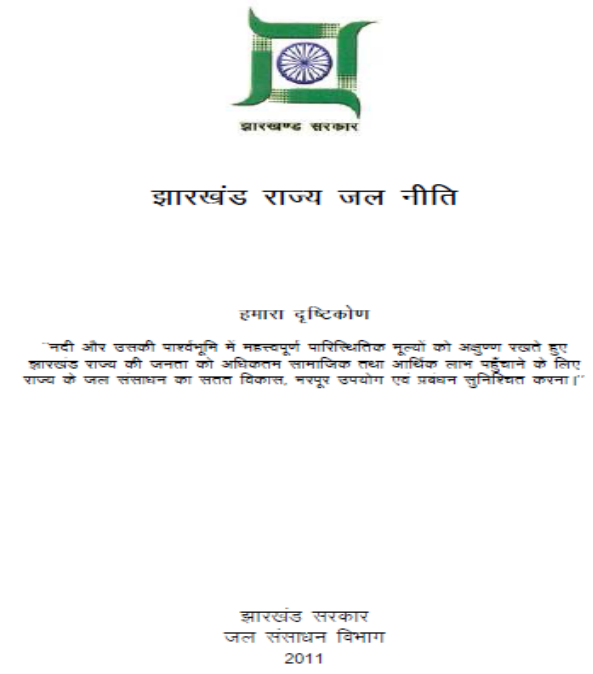

राज्य का एक बड़ा हिस्सा और उस हिस्से में रहने वाले लोग पीने के पानी में विभिन्न प्रकार के रासायनिक तत्वों के मिलावट के कारण हो रही अशुद्धियों और उन अशृद्धियों से होने वाली बिमारियों से प्रभावित हो रहे हैं। विगत कुछ वर्षों के अनुभव यह दिखाते है कि राज्य के अनेक हिस्सों में पेय जल से संबंधित बिमारियों में लगातार वृद्धि हो रही है। इन बिमारियों के बढ़ने की एक प्रमुख वजह पानी में रासायनिक पदार्थों (आयरन, फ्लोराइड, आर्सेनिक, इत्यादि) का पाया जाना है। राज्य के उत्तरी–पूर्वी हिस्से में बसे और बिहार तथा पश्चिमी बंगाल से लगे गंगा बेसिन के इलाकों (साहिबगंज जिला) में इस प्रकार के रायायनिक मिलावट की समस्या ज्यादा गंभीर है। जनवरी 2004 में साहिबगंज जिले में गंगा नदी के तट से लगे 17 गॉवों में आर्सेनिक की मिलावट पायी गयी।[3]

[2] 'झारखंड राज्य जल नीति' (2011), जल संसाधन विभाग, झारखंड सरकार।
[3] 'फिंगर प्रिन्ट ऑफ आर्सेनिक कंटैमिनेटेड वाटर इन इंडिया – ए रीव्यु', (2004), नेहा चौरसिया, अमरनाथ मिश्र और एस. के. पाण्डेय, जे फारेसिक रिसर्च, अंक 4 संख्या 10 (http://dx.doi.org/10.4172/2157-7145.1000172)।

1.3 जल प्रबंधन और वर्तमान चुनौतियाँ

भारत सरकार के पेय जल और स्वच्छता मंत्रालय के समेकित सूचना प्रबंधन प्रणाली (एम.आई.एस.) के अनुसार 1 अप्रैल 2012 तक झारखण्ड में 412 ऐसे रिहाइशी क्षेत्र थे जहाँ जल की गुणवत्ता की समस्या बनी हुई थी। राज्य का साहिबगंज जिला भी उनमें से एक था जहाँ खराब जल–स्वच्छता की स्थिति का एक प्रमुख कारण पेयजल प्रबंधन में समुदाय की कम भागीदारी के साथ–साथ स्थानीय स्वशासन की कमजोरी (नयी और कमजोर पंचायत राज व्यवस्था) भी है। यहाँ जल की गुणवत्ता के संबंध में जीवाणुओं (बैक्टिरिया) के साथ ही रासायनिक तत्वों के मिलावट की भी समस्या है। रासायनिक तत्वों में आर्सेनिक एक महत्वपूर्ण तत्व है जिसकी मिलावट इस क्षेत्र के जल स्रोतों में पायी गयी है।

परम्परागत रूप से साहिबगंज के लोग अपने पेयजल और जल संबंधी अन्य घरेलू माँगों को पूरा करने के लिये कुँओं और तालाबों पर निर्भर थे। किन्तु समय और तकनीक में बदलाव के साथ ही लोगों ने पानी के पीने और अन्य कामों के से संबंधित उपयोग के लिये हैण्ड पम्प और बोर–वेल का उपयोग करना आरम्भ कर दिया। साहिबगंज के गंगा नदी के किनारे पर स्थित होने के कारण यहाँ के भूमिगत जल स्रोतों में आर्सेनिक के मिलावट की संभावना बहुत अधिक है (भूगर्भ जनित कारणों से)। इस समस्या को दूर करने के लिये राज्य सरकार के द्वारा कुछ प्रयास किये जा रहे हैं। किन्तु यह सभी प्रयास अत्यधिक पूंजी प्रधान किस्म के हैं और साथ ही इनमें समुदाय की सीमित भागीदारी होने के कारण इनकी दीर्घकालिकता पर भी कई प्रश्न हैं।

1.4 परियोजना के बारे में

साहिबगंज की इन समस्याओं को ध्यान में रखते हुये अध्यर्म बैंगलोर के सहयोग से 'प्रिया' नई दिल्ली और 'साथी' गोड्डा ने साहिबगंज में आर्सेनिक मिश्रित जल की समस्या से लोगों को बचाने और स्थानीय स्तर पर जल सुरक्षा योजना को तैयार करके लोगों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने और झारखण्ड मे विकेन्द्रीकृत जल प्रबंधन को बढ़ावा देने के लिये **'साहिबगंज जिले के 6 आर्सेनिक प्रभावित ग्राम पंचायतों में विकेन्द्रीकृत पेयजल सुरक्षा परियोजना'** नामक एक कार्यक्रम आरम्भ किया है। मुख्य रूप से इस परियोजना में साहिबगंज जिले के उधवा और मंडरो विकास खण्डों के 6 ग्राम पंचायतों (प्रत्येक विकास खण्ड से 3 ग्राम पंचायत) में

जल सुरक्षा (जल की मात्रा और उसकी गुणवत्ता) के संबंध में सुधार लाने का कार्य किया जायेगा (सारणी–1.1)। जल सुरक्षा की वृहद सीमाओं के अन्तर्गत इस परियोजना में चायनित सभी 6 ग्राम पंचायतों में स्वच्छता के विषय में भी सुधार लाने पर ध्यान दिया जायेगा।

सारणी– 1.1

परियोजना में विकासखंडवार चयनित ग्राम पंचायतों के नाम

क्रमांक	विकास खण्ड	ग्राम पंचायत
1	उधवा	पूर्वी उधवा
2		मोहनपुर
3		अमानत दियारा
4	मंडरो	महादेव बरन
5		दामिन भीठा
6		अम्बाडीहा
कुल		6

स्रोतः परियोजना प्रस्ताव संबंधी दस्तावेज।

परियोजना के दौरान इस प्रकार के हस्तक्षेप किये जाने प्रस्तावित हैं जिससे स्थानीय स्तर पर आवश्यक तकनीकों को प्रयोग में लाने, उससे जुड़ी जानकारियों और क्षमताओं को बढ़ावा देने और इस पूरे काम में स्थानीय स्वशासन की संस्थाओं (पंचायती राज संस्थान) को जोडने और उनकी क्षमताओं को बढ़ाने पर विशेष बल दिया जाना है। परियोजना के क्रियान्वयन के माध्यम से झारखण्ड के अन्य आर्सेनिक प्रभावित क्षेत्रों के लिये भी कुछ उदाहरण तैयार किये जा सकेंगे।

इस परियोजना के कुछ प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित हैं–

- पेयजल और स्वच्छता के संदर्भ में विकेन्द्रीकृत अभिशासन की प्रणाली को बढ़ावा देना जिससे ग्राम पंचायतों के स्तर पर परियोजना के द्वारा प्राप्त परिणामों को दीर्घकालिक बनाया जाना।
- परियोजना क्षेत्र में रहने वाले लोगों को शुद्ध और पर्याप्त मात्रा में पेय जल की उपलब्धता को सुनिश्चित कराना और सुरक्षित शौचालयों तक पहुँच को बढ़ाने में मदद करना।
- इस प्रकार के जल सुरक्षा मॉडलों को तैयार करना जिससे राज्य के अन्य जल की प्रभावित गुणवत्ता वाले क्षेत्रों में इन मॉडलों को लागू किया जा सके।

1.5 परियोजना की प्रमुख गतिविधियाँ

वर्तमान परियोजना को तीन चरणों में पूरा किया जाना प्रस्तावित है। पहले चरण में हस्तक्षेप वाले ग्राम पंचायतों में समुदाय को पेय जल और स्वच्छता विषय पर जानकारी देकर उन्हें जागरूक बनाने पर जोर दिया जायेगा। इस दौरान इन ग्राम पंचायतों से सर्वेक्षण के माध्यम से ऐसी जानकारियों को भी लेने का प्रयास किया जाना है जिससे यह पता चले कि ग्राम पंचायतों के स्तर पर पेय जल और स्वच्छता को लेकर किस प्रकार की योजनाओं का निर्माण और संचालन किया जा रहा है।

परियोजना के दूसरे चरण में चयनित ग्राम पंचायतों में पेय जल सुरक्षा योजना से जुडे विभिन्न हितभागियों की क्षमताओं का विकास करके चयनित ग्राम पंचायतों में जल सुरक्षा योजना का निर्मित किया जाना है।

परियोजना के तीसरे और अंतिम चरण में इस प्रकार की गतिविधियों को बढ़ाया जाना है जिससे स्थानीय स्तर पर जल सुरक्षा योजनाओं का निर्माण नियमित रूप से किया जाता रहे और स्थानीय स्तर पर दीर्घकालिक लाभ को सुनिश्चित किया जा सके।

विभिन्न चरणों के अनुसार परियोजना के प्रथम वर्ष की प्रमुख गतिविधियाँ निम्नवत हैं–

- बेस लाइन सर्वेक्षण
- सर्वेक्षण के आधार पर विभिन्न हितभागियों (पंचायती राज संस्थाओं, जल सहिया, शिक्षक, आँगनबाड़ी कार्यकर्ता, इत्यादि) का जल सुरक्षा योजना बनाने के लिये क्षमता विकास
- पंचायती राज संस्थाओं को उनके जल सुरक्षा बनाने और सरकारी विभागों के साथ ताल–मेल बैठाने में निरन्तर सहयोग

झारखण्ड मे विकेन्द्रीकृत जल प्रबंधन को बढ़ावा देने वाली इस परियोजना की अवधि सितम्बर 2013 से अगस्त 2016 तक की है। परियोजना से उधवा और मंडरो विकास खण्डों के 6 ग्राम पंचायतों के लगभग तीस हजार लोगों को लाभ मिलने की संभावना है।

अध्याय 2

बेस लाइन सर्वेक्षण और इसकी पद्धति

परियोजना के प्रथम चरण में हस्तक्षेप वाले क्षेत्रों में पेयजल और स्वच्छता की वर्तमान स्थिति को समझने के उद्देश्य से एक बेस लाइन सर्वेक्षण करने की योजना बनाई गयी। सर्वेक्षण की योजना को बनाने के साथ ही सर्वेक्षण के उद्देश्यों और उससे प्राप्त की जाने वाली जानकारी को भी स्पष्ट किया गया। सर्वेक्षण कार्य से मुख्य रूप से तीन प्रकार की जानकारियों को प्राप्त करने और उन पर समझ बनाने का प्रयास किया जाना तय किया गया। यह तीन जानकारियाँ निम्नलिखित हैं–

- ग्राम पंचायत के स्तर पर परिवारों में पेयजल और उससे संबंधित प्रबंधन की क्या स्थिति है?
- ग्राम पंचायत के स्तर पर पेयजल प्रबंधन को लेकर कौन–कौन सी संस्थायें (सरकारी/गैर सरकारी) काम कर रही हैं?
- ग्राम पंचायत के स्तर पर पेयजल प्रबंधन को लेकर किस प्रकार की योजनाओं का निर्माण किया जा रहा है और इसमें ग्राम पंचायतें किस प्रकार की भूमिका निभा रही हैं? इस संदर्भ में ग्राम पंचायत के स्तर पर शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिये किस प्रकार की क्षमतायें उपलब्ध हैं?

शुद्ध पेयजल की उपलब्धता की स्थिति को विस्तार से समझने के लिये प्रश्नावली में स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जुडे कुछ प्रश्न भी रखे गये जिससे यह जानकारी मिल सके कि ग्राम पंचायत के स्तर पर लोगों में पेयजल से संबंधित बिमारियॉ और उसके संबंध में जागरूकता का स्तर किस प्रकार का है।

इस बेस लाइन सर्वेक्षण को 6 चयनित ग्राम पंचायतों में समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिये एक विस्तृत कार्य योजना बनाई गयी। सर्वेक्षण कार्य के लिये कार्यशाला के माध्यम से सहभागी पद्धति के आधार पर एक प्रश्नावली को तैयार किया गया (संलग्नक–2)। इसके साथ ही प्रश्नावली के उपयोग करने के तरीके पर समझ बनाने के लिये भी एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।[4]

[4] परियोजना दल के सदस्यों के साथ ही साथ चयनित ग्राम पंचायतों के पंचायती राज प्रतिनिधियों, जल सहिया और साहिबगंज जिले के पेयजल और स्वच्छता विभाग के अधिकारी (अधिशासी अभियंता, सहायक अभियंता, कनिष्क अभियंता, प्रयोगशाला सहायक इत्यादि) भी इस कार्यशाला में शामिल हुये।

प्राथमिक आँकड़ों को इकट्ठा करने के साथ ही साथ द्वितीयक आँकड़ों को विभिन्न माध्यमों और स्रोतों से इकट्ठा करने की योजना बनाई गयी। प्राथमिक आँकड़ों को इकट्ठा करने के लिये प्रश्नावली के माध्यम से साक्षात्कार के साथ ही सहभागी ग्रामीण अनुसंधान (पी.आर.ए.) की पद्धतियों[5] और कुछ स्थानीय उदाहरणों (केस स्टडीज) को भी इकटठा करने का प्रयास किया गया। मुख्य रूप से सर्वेक्षण के कार्य को करने के लिये तीन प्रकार की पद्धतियों का उपयोग किया गया जो निम्नलिखित हैं–

1. साक्षात्कार (परिवार के स्तर पर)
2. पी.आर.ए. (समुदाय के स्तर पर)
3. केस स्टडीज (विशेष जानकारियों को लेने के लिये)

2.1 सर्वेक्षण के लिये प्रतिदर्श (सैंपल) का निर्धारण

चयनित 6 ग्राम पंचायतों में साक्षात्कार के कार्य को करने के लिये स्तरीकृत प्रतिदर्श (स्ट्रैटिफाइड सैंपल) पद्धति को अपनाया गया। सर्वप्रथम इन पंचायतों में निवास करने वाले कुल परिवारों के 10 प्रतिशत को लेना तय किया गया। इसके बाद ग्राम पंचायत के स्तरों पर प्रत्येक राजस्व गाँव (या टोलों/मुहल्लों/पुरवों) से 10 प्रतिशत परिवारों का चयन किया गया तथा इनसे साक्षात्कार करना तय किया गया। यह भी तय किया गया कि परिवारों से प्रश्न पूछने के दौरान उन परिवारों की महिलाओं से विशेष चर्चा की जायेगी।[6] प्रतिदर्श के अनुसार ग्राम पंचायत वार चयनित परिवारों की संख्या को सारणी–2.1 में दिखाया गया है।

सारणी–2.1

ग्राम पंचायतवार साक्षात्कार के लिये चयनित परिचारों की संख्या

क्रमांक	ग्राम पंचायत का नाम	ग्राम पंचायत के कुल परिवारों की संख्या	साक्षात्कार के लिये चयनित परिवार[7]
1	पूर्वी उधवा	1200	117
2	मोहनपुर	1860	187
3	अमानत दियारा	815	88
4	महादेव बरन	1012	99
5	दामिन भीठा	561	65
6	अम्बाडीहा	1833	180
कुल		**7281**	**736**

स्रोतः कार्यक्षेत्र के आँकड़े।

[5] समाजिक मानचित्रण, संसाधन मानचित्रण और चपाती चित्रण।

[6] इस निर्णय के पीछे यह मान्यता थी कि परिवार में पीने के पानी या अन्य उपयोग के लिये भी पानी की व्यवस्था और उनका प्रबंधन प्रायः महिलाओं के द्वारा की जाती है।

[7] साक्षात्कार के दौरान परिवार के लोगों की उपलब्धता और उनके द्वारा सर्वेक्षण से जुड़ने से संख्या में कुछ बदलाव हुआ।

2.2 सर्वेक्षण कार्य और उससे जुड़ी कुछ महत्वपूर्ण जानकारियाँ

प्रश्नावली आधारित सर्वेक्षण का कार्य जनवरी और फरवरी 2014 के दौरान किया गया। सर्वेक्षण के दौरान उधवा विकास खण्ड के तीन ग्राम पंचायतों से कुल 392 परिवारों और मंडरो विकास खण्ड के तीन ग्राम पंचायतों से कुल 344 परिवारों का साक्षत्कार किया गया। ग्राम पंचायत वार कुल उत्तरदाताओं में से लगभग 66.5 प्रतिशत 26 वर्ष से 50 वर्ष आयु समूह में से थे जबकि 8.3 प्रतिशत 18 वर्ष से 25 वर्ष आयु समूह में से और लगभग 25.2 प्रतिशत 50 वर्ष से अधिक आयु समूह के थे (ग्राफ–2.1)।

ग्राफ 2.1

आयुवार उत्तर दाताओं की संख्या

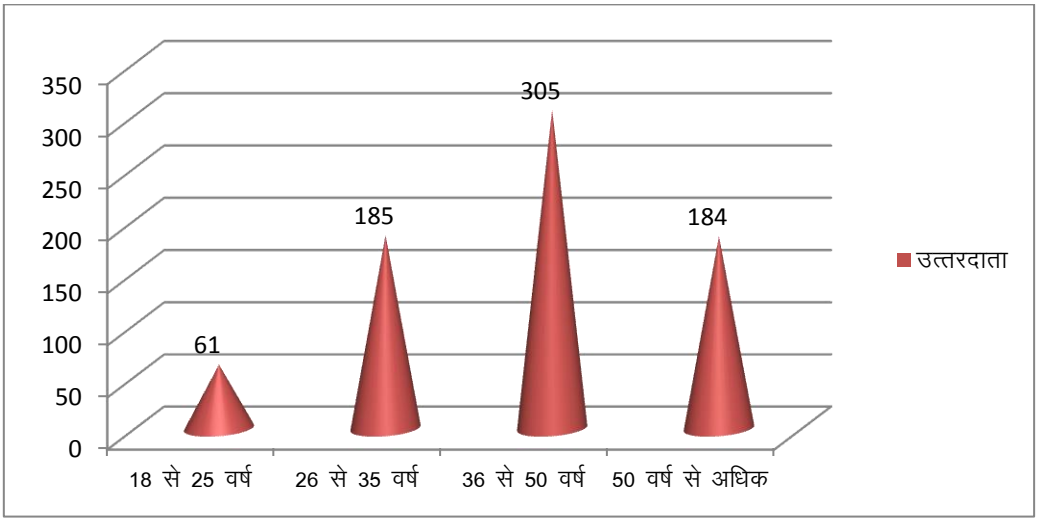

स्रोतः सर्वेक्षण से प्राप्त आँकड़े।

सर्वेक्षण को आरम्भ करने के पहले यह तय किया गया था कि परिवार के सदस्यों के साथ साक्षात्कार करते समय परिवार की महिलाओं से भी चर्चा करके जानकारी ली जायेगी। किन्तु साक्षात्कार के दौरान यह महसूस किया गया कि जागरूकता की कमी और कुछ विषयों[8] में सामाजिक रूढ़िवादिता के कारण साक्षात्कार के दौरान महिलाओं की सहभागिता कम रही। साक्षात्कार के दौरान कुल 602 पुरूषों और 134 महिलाओं के द्वारा मुख्य रूप से प्रश्नावली को भरने में सहयोग प्रदान किया गया (सारणी–2.2)।

[8] जैसे महिलाओं को परिवार के बाहर के पुरूषों से बात न करने देना।

सारणी–2.2

विकास खण्ड, ग्राम पंचायत और लिंग वार उत्तरदाताओं की स्थिति

क्रमांक	विकास खण्ड	ग्राम पंचायत	उत्तरदाता		
			महिला	पुरूष	कुल
1	उधवा	पूर्वी उधवा	19	98	117
2		मोहनपुर	23	164	187
3		अमानत दियारा	27	61	88
4	मंडरो	महादेव बरन	24	75	99
5		दामिन भीठा	0	65	65
6		अम्बाडीहा	41	139	180
कुल			**134**	**602**	**736**

स्रोतः सर्वेक्षण से प्राप्त आँकड़े।

जागरूकता की कमी और सामाजिक रूढ़िवादिता का सबसे अधिक प्रभाव दामिन भीठा ग्राम पंचायत में दिखा। यहाँ किसी भी महिला उत्तरदाता ने पूरे प्रश्नावली को भरने में मदद नहीं दिया। इसी प्रकार पूर्वी उधवा ग्राम पंचायत में महिला साक्षात्कारकर्ता होने के बाद भी वहाँ महिलाओं की साक्षात्कार में सहभागिता मात्र 16.2 प्रतिशत ही रही।

सर्वेक्षण के दौरान इस बात का पूरा ध्यान रखा गया था कि ग्राम पंचायत क्षेत्र में आने वाले सभी राजस्व गाँवों और उनमें निवास करने वाले लोगों को शामिल करते हुये प्रतिदर्श का निर्माण किया जाय। ऐसे प्रतिदर्श निर्माण का एक और उद्देश्य समाज के सभी वर्गों को साक्षात्कार की प्रक्रिया में शामिल करना था। साक्षात्कार के दौरान स्थानीय स्तर पर समुदाय में निवास करने वाली सभी जातियों और वर्गों को शामिल किया गया। सर्वेक्षण के दौरान शामिल हुये उत्तरदाताओं का जातिवार प्रतिशत (सारणी–2.3) में दर्शाया गया है।

सारणी–2.3

ग्राम पंचायत और जाति वार उत्तरदाताओं की स्थिति

क्रमांक	ग्राम पंचायत	उत्तरदाता				
		अजजा	अजा	अन्य पिछड़ा	सामान्य	कुल
1	पूर्वी उधवा	6	15	57	39	117
2	मोहनपुर	32	59	33	63	187
3	अमानत दियारा	0	1	1	86	88
4	महादेव बरन	45	4	33	17	99
5	दामिन भीठा	63	1	0	1	65
6	अम्बाडीहा	85	31	54	10	180
कुल		**231**	**111**	**187**	**216**	**736**

स्रोतः सर्वेक्षण से प्राप्त आँकड़े।

सर्वेक्षण के दौरान ग्राम पंचायत क्षेत्र में रहने वाले या अपनी सेवायें देने वाले विभिन्न हितभागियों (वार्ड पंच, प्रधान, मुखिया, पंचायत सचिव, अन्य विभागीय अधिकारी, इत्यादि) से भी साक्षात्कार किया गया (सारणी–2.4) जिससे पेयजल और स्वच्छता के संबंध में उनके विचारों को भी समझा जा सके।

सारणी–2.4

उत्तरदाताओं में शामिल विभिन्न हितभागियों की स्थिति

क्रमांक	हितभागी	उत्तरदाताओं की संख्या
1	वार्ड पंच	3
2	मुखिया	7
3	पंचायत सचिव	3
4	अन्य विभागीय अधिकारी	5
5	सामान्य	718
कुल		**736**

स्रोतः सर्वेक्षण से प्राप्त आँकड़े।

अध्याय 3

साहिबगंज में समुदाय आधारित जल प्रबंधन की स्थिति

साहिबगंज जिले के उधवा और मंडरो विकास खण्डों में किये गये सर्वेक्षण से स्थानीय स्तर पर ग्राम पंचायतों के स्तर पर पेयजल और स्वच्छता की वर्तमान स्थिति के बारे में जानकारी प्राप्त करने में मदद मिली। इसके साथ ही पेयजल जैसे महत्पूर्ण मसले पर समुदाय और समुदाय आधारित संस्थाओं[9] की भागीदारी की भी जानकारी मिली। सर्वेक्षण से यह भी जानकारी मिली कि जिले में पेय जल और स्वच्छता की स्थिति में सुधार के लिये केन्द्र और राज्य सरकार के द्वारा किस प्रकार के प्रयास किये जा रहे हैं। सर्वेक्षण से मिली जानकारी को क्रमबद्ध तरीके से निम्नवत देखा जा सकता है।

3.1 ग्राम पंचायत के स्तर पर पेय जल के स्रोत और उनकी उपलब्धता

सर्वेक्षण के दौरान यह जानकारी मिली कि गंगा नदी के किनारे पर स्थित साहिबगंज जिले के उधवा और मंडरो विकास खण्ड के चयनित ग्राम पंचायतों में पानी के प्रमुख स्रोतों के रूप में हैण्ड पम्प और कुँए उपलब्ध हैं। सर्वेक्षण के दौरान उत्तरदाताओं से मिली जानकारी के अनुसार उधवा विकास खण्ड के सभी उत्तरदाताओं ने बताया कि सामान्य परिस्थितियों में हैण्ड पम्प ही उनके लिये पीने और घर के अन्य कामों के लिये पानी लेने का एक मात्र स्रोत है (ग्राफ–3.1)।[10]

ग्राफ–3.1

ग्राम पंचायत वार उत्तरदाताओं द्वारा पानी के स्रोत संबंधी दी गयी जानकारी

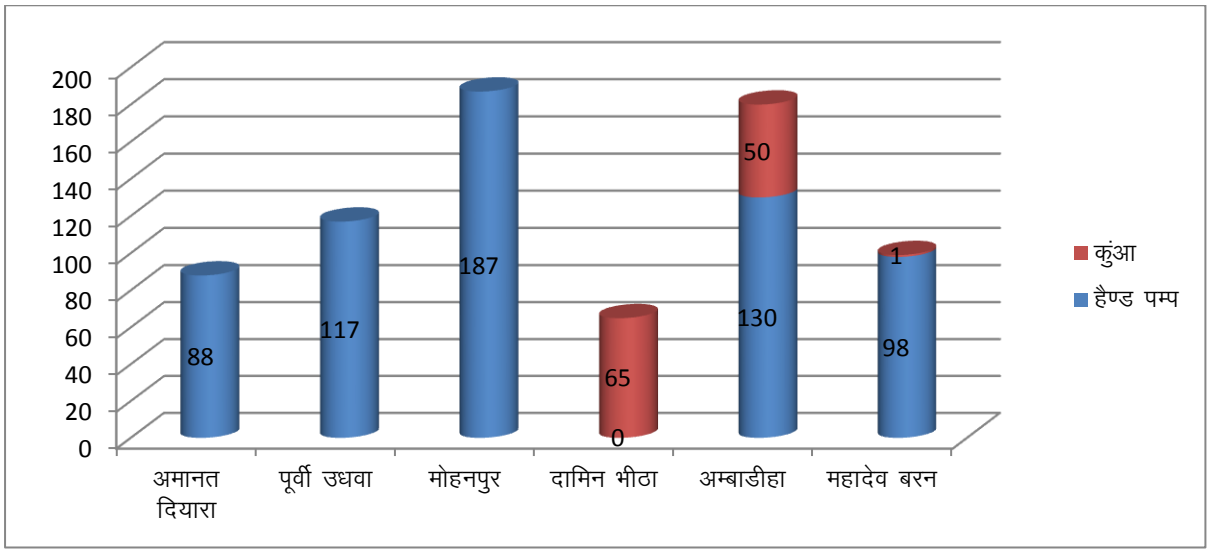

स्रोतः सर्वेक्षण से प्राप्त आँकड़े।

[9] वर्तमान संदर्भ में पंचायती राज संस्थायें।

[10] मोहनपुर और अम्बाडीहा ग्राम पंचायतों में कुछ लोग तालाब या पोखर का भी अनियमित रूप से इस्तेमाल घरेलू कामों के लिये करते हैं।

मंडरो विकास खण्ड की ग्राम पंचायतों के उत्तरदाताओं ने हैण्ड पम्प के साथ–साथ कुँओं से भी जल आपूर्ति की जानकारी दी। कुछ क्षेत्रों में, विशेष कर पहाड़ी क्षेत्रों, तो पीने के पानी के नियमित स्रोत के रूप में केवल कुँआ ही उपलब्ध है। दामिन भीठा ग्राम पंचायत इनमें से एक है जहाँ के उत्तरदाताओं ने बताया कि उनके पास पानी की उपलब्धता के लिये कुँआ ही एक मात्र स्रोत है। अम्बाडीहा ग्राम पंचायत में भी लगभग 28 प्रतिशत उत्तरदाता कुँए के पानी का उपयोग अपने घरेलू कामों के लिये करते हैं।

सर्वेक्षण के दौरान यह जानकारी भी मिली कि गर्मी के मौसम में (मार्च–जुलाई) इस क्षेत्र के लोगों को पानी की दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। 85.7 प्रतिशत उत्तरदाताओं के अनुसार उन्हें इस दौरान पीने के पानी की विशेष दिक्कत होती है। उधवा ग्राम पंचायत के पूर्वी उधवा और मंडरो ग्राम पंचायत के अम्बाडीहा और महादेव बरन ग्राम पंचायतों में यह समस्या कुछ कम है (ग्राफ–3.2)।

सर्वेक्षण के दौरान यह जानकारी मिली कि दामिन भीठा ग्राम पंचायत क्षेत्र की पहाड़ियों में हो रहे खनन के कारण यहाँ के कुँओं का जल स्तर तेजी से कम हो रहा है। यही वजह है कि यहाँ के लोगों को गर्मियों में पानी की बहुत समस्या होती है।

दामिन भीठा में समूह चर्चा से प्राप्त जानकारी।

ग्राफ–3.2

ग्राम पंचायत वार उत्तरदाताओं द्वारा गर्मी के दिनों में पानी की समस्या संबंधी दी गयी जानकारी

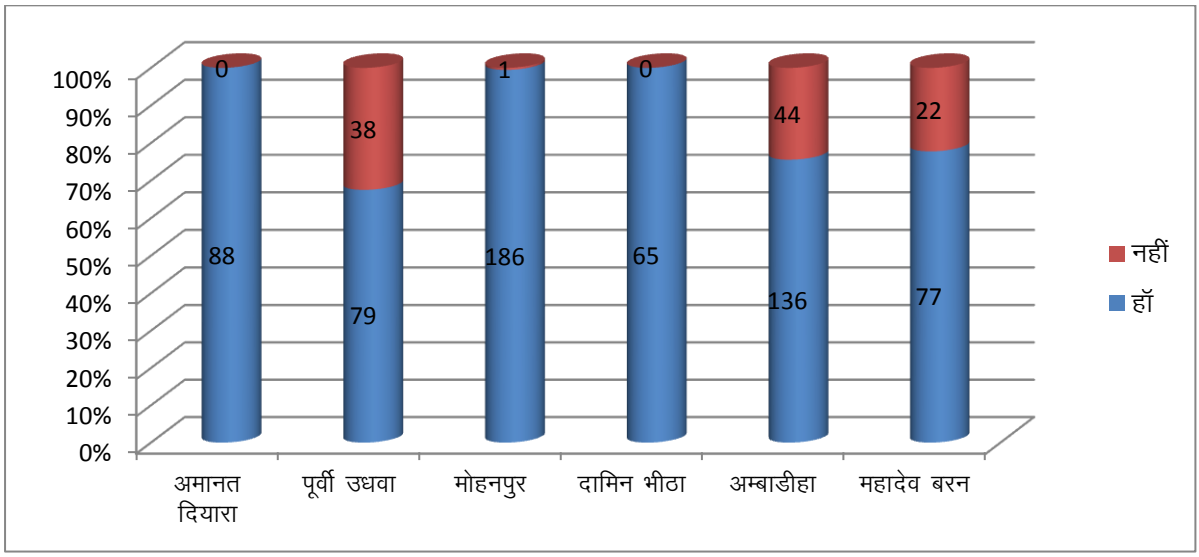

स्रोतः सर्वेक्षण से प्राप्त आँकड़े।

62.8 प्रतिशत उत्तरदाताओं के अनुसार गर्मी के मौसम में पानी की समस्या का असर पीने के पानी की उपलब्धता के साथ ही घरेलू कामों पर भी दिखायी देता है। किन्तु पानी की कमी का असर पीने के काम के बाद सबसे अधिक घरेलू जानवरों पर दिखाई देता है। कृषि आधारित ग्रामीण व्यवस्था होने के कारण स्थानीय लोग जानवरों को पालते हैं जिन्हें गर्मी के दिनों में पीने के पानी के साथ ही नहाने के

लिये पानी मुश्किल से मिलता है। ऐसे में पशुपालक अपने जानवरों को आवश्यकतानुसार पानी उपलब्ध कराने में दिक्कत का सामना करते हैं।[11]

सर्वेक्षण के दौरान 99.6 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि उन्हें पीने के पानी (शुद्ध) की सबसे अधिक समस्या का सामना बरसात के दिनों में करना पड़ता है (ग्राफ–3.3)। यद्यपि इन दिनों में उन्हें घरेलू कामों और घरेलू पशुओं के लिये पानी की दिक्कतों का समाना नहीं करना पड़ता है। किन्तु सर्वेक्षण के दौरान समूह चर्चा से यह भी स्पष्ट हुआ कि इन क्षेत्रों में घरेलू कामों में शुद्ध पानी के महत्व पर लोगों की जागरूकता का स्तर बहुत कम है। इसी प्रकार अव्यावसायिक तरीके से खेती करने के कारण पशुपालन के काम में भी शुद्ध पानी के महत्व पर लोगों का विशेष ध्यान नहीं है।

उधवा विकास खण्ड के शत प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि बारिश के दिनों में प्रायः उन्हें जीवाणु युक्त गंदा पानी उपलब्ध होता है किन्तु विकल्पों के अभाव में उन्हें उसी पानी का सेवन करना पड़ता है।

सर्वेक्षण के दौरान समूह चर्चा से प्राप्त जानकारी।

ग्राफ–3.3

ग्राम पंचायत वार उत्तरदाताओं द्वारा बारिश के दिनों में पानी की समस्या संबंधी दी गयी जानकारी

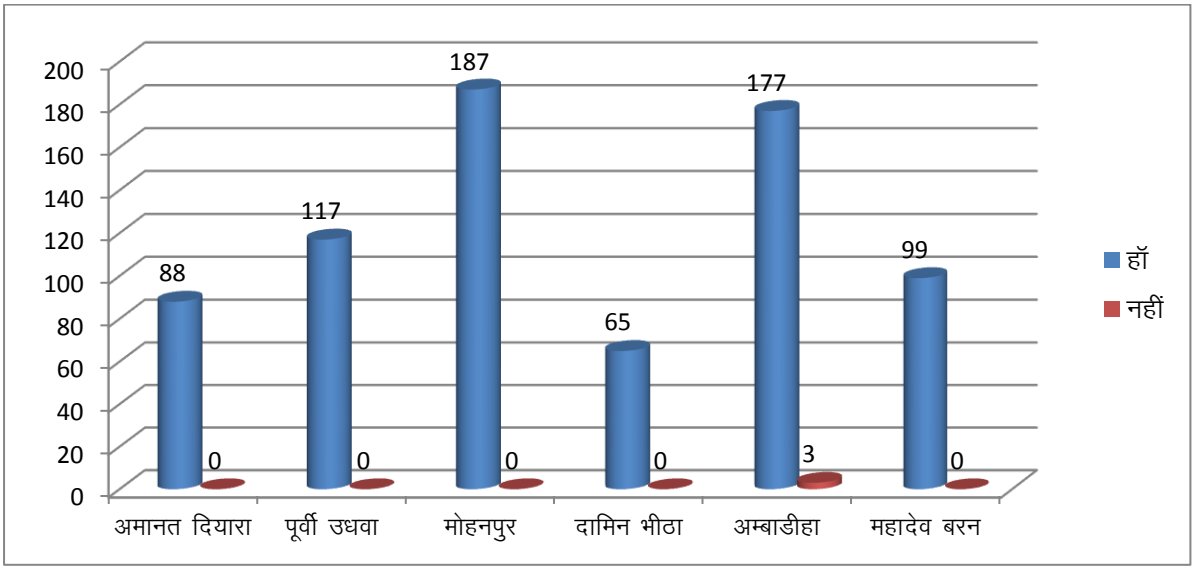

स्रोतः सर्वेक्षण से प्राप्त आँकड़े।

[11] उधवा विकास खण्ड के अमानत दियारा और मंडरो विकास खण्ड के अम्बाडीहा में यह समस्या बहुतायत में पायी गयी।

3.2 परिवार के स्तर पर पेयजल और जल स्रोत की उपलब्धता

सर्वेक्षण के माध्यम से परिवार के स्तर पर पानी की उपलब्धता (पर्याप्त मात्रा में शुद्ध पेय जल के विशेष संदर्भ में) के विषय को गहराई से समझने के लिये यह आवश्यक था कि क्षेत्र में परिवार के आकार की भी जानकारी ली जाय। सर्वेक्षण से यह जानकारी मिली कि अमानत दियारा ग्राम पंचायत में 10 से अधिक सदस्यों वाले परिवारों की संख्या लगभग 32 प्रतिशत है जबकि अम्बाडीहा और महादेव बरन में ऐसे परिवारों की संख्या क्रमशः लगभग 15 प्रतिशत और 10 प्रतिशत है (सारणी–3.1)। दामिन भीठा और मोहनपुर के लगभग 69 प्रतिशत परिवारों और पूर्वी उधवा में लगभग 50 प्रतिशत परिवारों में सदस्यों की संख्या 2 से 5 के बीच है। इस प्रकार सर्वेक्षण वाले क्षेत्र में लगभग 48.8 परिवार ऐसे हैं जिनके घरों में सदस्यों की संख्या 2 से 5 के बीच और 38.2 प्रतिशत परिवार ऐसे हैं जिनके परिवारों में सदस्यों की संख्या 6 से 10 के बीच की है।

सारणी–3.1

ग्राम पंचायत वार परिवार के सदस्यों की संख्या

(प्रतिशत में)

क्रमांक	विकास खण्ड	ग्राम पंचायत	परिवार में सदस्य			
			2 से कम	2–5	6–10	10 से अधिक
1	उधवा	पूर्वी उधवा	2.6	50.4	40.2	6.8
2		मोहनपुर	0.5	68.5	31.0	0
3		अमानत दियारा	1.1	22.7	44.3	31.8
4	मंडरो	महादेव बरन	3.0	44.4	42.2	10.1
5		दामिन भीठा	3.1	69.2	21.5	6.2
6		अम्बाडीहा	5.0	35.0	45.0	15.0

स्रोतः सर्वेक्षण से प्राप्त आँकड़े।

यदि परिवार के सदस्यों को औसत रूप से उपलब्ध पानी के बारे में चर्चा की जाय तो बड़े ही रोचक आँकड़े निकल कर आते हैं। क्षेत्र में लगभग 69 प्रतिशत से अधिक ऐसे परिवार हैं जिनके सदस्यों को सामान्य परिस्थितियों में प्रतिदिन 50 लीटर से कम पानी उपलब्ध हो पा रहा है। क्षेत्र में लगभग 2.6 प्रतिशत परिवार ऐसे भी हैं जिनके प्रत्येक सदस्य को प्रतिदिन 150 लीटर से अधिक पानी उपलब्ध हो जाता है। शेष परिवारों (28.4 प्रतिशत) के सदस्यों को औसत रूप से 51 से 150 लीटर तक पानी प्रतिदिन उपलब्ध हो रहा है (सारणी–3.2)। मोहनपुर ग्राम पंचायत के अधिकांश परिवारों में प्रति दिन व्यक्ति सबसे कम पानी का उपयोग किया जा रहा है। इसके विपरीत अमानत दियारा में 6 व्यक्ति से अधिक वाले परिवारों में भी 51 लीटर से लेकर 150 लीटर प्रति व्यक्ति प्रति दिन पानी का उपयोग किया जा रहा है।

सारणी–3.2

ग्राम पंचायत और परिवार के सदस्य वार पानी की प्रतिदिन उपयोग में ली जा रही मात्रा

पानी की उपलब्धता	ग्राम पंचायत	सदस्यों की संख्या (परिवार)				
		2 से कम	2–5	6–10	10 से अधिक	कुल
50 लीटर प्रति व्यक्ति प्रति दिन से कम	पूर्वी उधवा	3	59	34	–	**96**
	मोहनपुर	1	128	57	–	**185**
	अमानत दियारा	1	20	16	–	**37**
	महादेव बरन	1	42	13	–	**56**
	दामिन भीठा	2	45	14	–	**61**
	अम्बाडीहा	7	33	31	3	**74**
51 से 150 लीटर प्रति व्यक्ति प्रति दिन	पूर्वी उधवा	–	–	13	8	**21**
	मोहनपुर	–	–	1	–	**1**
	अमानत दियारा	–	–	23	28	**51**
	महादेव बरन	–	2	29	10	**41**
	दामिन भीठा	–	–	–	4	**4**
	अम्बाडीहा	–	27	43	19	**89**
151 लीटर प्रति व्यक्ति प्रति दिन से अधिक	महादेव बरन	2	–	–	–	**2**
	अम्बाडीहा	2	3	7	5	**17**

स्रोतः सर्वेक्षण से प्राप्त आँकड़े।

जहाँ तक पानी के स्रोत के उपलब्धता का प्रश्न है तो अमानत दियारा, महादेव बरन और अम्बाडीहा ग्राम पंचायतों के क्रमशः 63.6 प्रतिशत, 48.5 प्रतिशत और 30.0 प्रतिशत परिवारों के घरों की चारदिवारी के अन्दर ही जल के स्रोत उपलब्ध हैं (ग्राफ–3.4)। वहीं दामिन भीठा के 27.7 प्रतिशत और अम्बाडीहा के 16.7 प्रतिशत परिवारों को पानी के स्रोत के लिये 500 मीटर से अधिक की दूरी तय करनी पड़ती है।

ग्राफ–3.4

ग्राम पंचायत वार उत्तरदाता परिवारों की पानी के प्रमुख स्रोत से दूरी

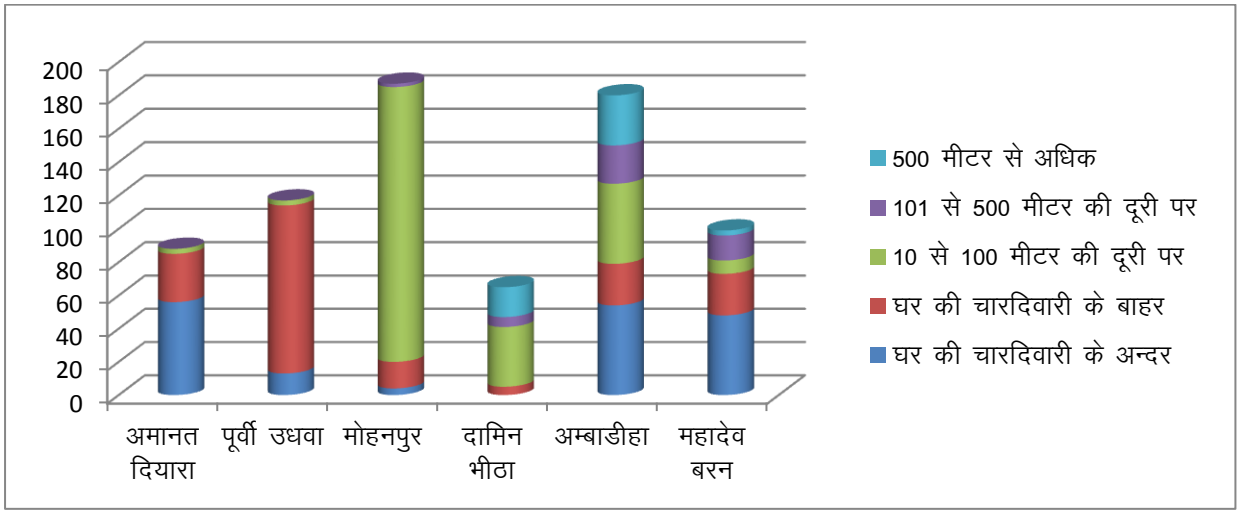

स्रोतः सर्वेक्षण से प्राप्त आँकड़े।

500 मीटर से अधिक दूर के स्रोतों से पानी लाने वाले परिवारों को प्रतिदिन एक बार में लगभग 1 से 2 घंटे का अतिरिक्त समय केवल पानी को इकट्ठा करने के लिये व्यय करना पड़ता है। ऐसे में स्वाभाविक है कि परिवार के सदस्य या तो कम पानी में अपना गुजारा करने को मजबूर होते हैं या अपनी पानी संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिये ज्यादा समय देने के लिये मजबूर हो रहे हैं।

3.3 पानी और उससे जुड़ी स्वास्थ्य संबंधी समस्यायें

सहिबगंज जिले में पानी की समस्या से जूझ रहे इस क्षेत्र के परिवार वालों को प्रायः बीमारियों का भी सामना करना पड़ रहा है। सर्वेक्षण के दौरान 70.7 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने यह जानकारी दी कि उनके परिवार के किसी न किसी सदस्य का पिछले 6 माह के दौरान कोई बिमारी हुई। उधवा विकास खण्ड के पूर्वी उधवा और अमानत दियारा में लगभग शत प्रतिशत लोगों ने सर्वेक्षण के दौरान अपने परिवार के सदस्यों की बिमारी का उल्लेख किया। वहीं मंडरो विकास खण्ड के महादेव बरन में लगभग 55 प्रतिशत और अम्बाडीहा में 51 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि उनके परिवार में विगत 6 माह में कुछ सदस्य बीमार हुये।

जहाँ तक बिमारियों के प्रकार का संबंध है तो क्षेत्र के लोगों को प्रायः जल–जनित बिमारियाँ जैसे डायरिया, पीलिया और हैजा इत्यादि ज्यादा प्रभावित करने वाली लगीं। यहाँ यह उल्लेखनीय है कि स्थानीय लोगों को गंदे पानी से जुड़ी तुरन्त असर दिखाने वाली अल्पकालिक बिमारियों के प्रति ज्यादा चेतना है किन्तु धीरे–धीरे दीर्घ काल में प्रभाव दिखाने वाली बिमारियों के प्रति जागरूकता नहीं के बराबर है। इस बात का प्रमाण इस बात से मिलता है कि लगभग 14.4 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने यह जानकारी दी कि पिछले 6 माह में उनके परिवार के सदस्यों को चमड़े से संबंधित बिमारियाँ भी हुई हैं।

> साहिबगंज क्षेत्र के पुराने अनुभव यह बताते हैं कि चमड़े की बिमारी के रूप में आरम्भ होकर बिमारियाँ कुछ समय के अन्तराल पर कैंसर जैसी भयानक बिमारी बन कर उभरी और बीमार व्यक्ति या उसके परिवार के सदस्यों को पूरी जानकारी मिलने से पहले से बिमारी ने विकराल रूप लिया। अंततः परिवार के उस सदस्य की असामयिक मौत हो गई।
>
> **सर्वेक्षण के दौरान लोगों से हुई चर्चा से मिली जानकारी।**

सर्वेक्षण के दौरान उधवा विकास खण्ड में बीमारी से पीड़ित परिवारों में से लगभग 25 प्रतिशत ने यह जानकारी दी कि उनके परिवार का कोई सदस्य चमड़े संबंधित बीमारी से पीडित हैं। इस विकास खण्ड के अमानत दियारा ग्राम पंचायत क्षेत्र के लगभग 35.2 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि उनके परिवार के सदस्य को चमड़े से संबंधित बिमारी हुई। इसी प्रकार पूर्वी उधवा के लगभग 27.4 प्रतिशत

और मोहनपुर लगभग 19.8 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने भी साक्षात्कार के दौरान अपने परिवार के सदस्यों में चमड़े की बिमारी की जानकारी दी (सारणी–3.3)। महादेव बरन एक मात्र ग्राम पंचायत रहा जहाँ चमड़े से संबंधित बीमारी की शिकायत किसी परिवार ने नहीं कही बल्कि इस ग्राम पंचायत में डायरिया की समस्या अधिक महसूस की जा रही है। समग्र रूप में दामिन भीठा ग्राम पंचायत क्षेत्र में बिमारियों के बारे में सबसे कम समस्याओं की जानकारी मिली।

सारणी–3.3

ग्राम पंचायत वार प्रचलित बिमारियों का विवरण

क्रमांक	ग्राम पंचायत	प्रचलित बिमारियाँ				
		हैजा	पीलिया	डायरिया	चर्म रोग	अन्य
1	पूर्वी उधवा	2	22	61	32	1
2	मोहनपुर	15	33	70	37	10
3	अमानत दियारा	3	14	36	31	–
4	महादेव बरन	11	5	35	–	5
5	दामिन भीठा	–	2	2	1	2
6	अम्बाडीहा	13	5	62	5	8

स्रोतः सर्वेक्षण से प्राप्त आँकड़े।

3.4 पानी में मिलावट की समस्या और इससे संबंधित जागरूकता

सर्वेक्षण के लिये चयनित ग्राम पंचायतों के लोगों से बिमारियों के विषय में जानकरी लेने के दौरान ही उनसे स्थानीय स्तर पर पानी में मिलावट (पानी की गुणवत्ता) के बारे में भी जानकारी ली गयी। सर्वेक्षण के आँकड़ों यह पता चलता है कि 32.9 प्रतिशत लोगों को यह पता है कि उनके पानी के स्रोत में किसी प्रकार की मिलावट है जिससे उनका पानी प्रदूषित है। लगभग 65.5 प्रतिशत लोगों ने बताया कि उन्हें नहीं पता कि उनके पानी के स्रोत में किसी प्रकार की मिलावट है या नहीं। जानकारी के अभाव का यह प्रतिशत बहुत चिंताजनक है। यह चिंता इसलिये भी बढ़ जाती है क्योंकि राज्य सरकार के पेय जल और स्वच्छता विभाग के द्वारा स्थानीय स्तर पर जल सहिया के नियुक्ति का प्रावधान किया गया है। इस जल सहिया का अन्य कामों के साथ एक प्रमुख काम पानी के गुणवत्ता की नियमित जाँच करना और लोगों को उसकी जानकरी देना है। ग्राम पंचायतों के स्तर जानकारी का सबसे कम स्तर उधवा विकास खण्ड में मोहनपुर और मंडरो विकास खण्ड में दामिन भीठा ग्राम पंचायत में देखने को मिला (सारणी–3.4)।

स्थानीय स्तर पर पानी की गुणवत्ता की नियमित जाँच के लिये नियुक्त जल सहिया की नियुक्ति के साथ ही उनको जाँच किट भी उपलब्ध कराने का प्रावधान है। किन्तु ग्राम पंचायतों के स्तर पर यह जानकारी मिली कि जल सहिया कि नियुक्ति और जाँच किट के वितरण, दोनों ही कामों में अभी बहुत अनियमितता है।

सर्वेक्षण के दौरान लोगों से हुई चर्चा से मिली जानकारी।

सारणी–3.4

विकास खण्ड और ग्राम पंचायत वार पानी में मिलावट की जानकारी का स्तर

क्रमांक	विकास खण्ड	ग्राम पंचायत	मिलावट की जानकारी		
			हाँ	नहीं	नहीं पता
1	उधवा	पूर्वी उधवा	81	–	36
2		मोहनपुर	–	–	187
3		अमानत दियारा	35	–	53
4	मंडरो	महादेव बरन	73	4	21
5		दामिन भीठा	–	–	65
6		अम्बाडीहा	53	1	120
कुल			**242**	**5**	**482**

स्रोतः सर्वेक्षण से प्राप्त आँकड़े।

पानी की मिलावट के विषय पर और गहराई से चर्चा करने और जानकारी लेने पर यह मालूम चला कि ग्राम पंचायतों के स्तर पर पानी के स्रोतों में मुख्य रूप से आयरन, फ्लोराइड और आर्सेनिक की मिलावट है (संलग्नक–1)। इसके साथ ही पानी में स्रोतों में जीवाणुओं के होने की संभावना भी बहुत अधिक है। पानी में आर्सेनिक की मिलावट होने और इसके बारे में जानकारी होने की बात सर्वेक्षण के दौरान उधवा विकास खण्ड के पूर्वी उधवा और अमानत दियारा ग्राम पंचायतों तथा मंडरो विकास खण्ड के अम्बाडीहा और महादेव बरन ग्राम पंचायतों से मिली (सारणी–3.5)।

सर्वेक्षण के दौरान 3.1 प्रतिशत परिवारों से यह जानकारी मिली कि उनके पानी के स्रोत में आर्सेनिक की मिलावट है। इस मिलावट के बारे में उन्हें स्पष्ट जानकारी भी थी। किन्तु इसके बाद भी विकल्पों के अभाव में उनके द्वारा आर्सेनिक मिश्रित स्रोत से ही नियमित रूप से पानी का उपयोग किया जा रहा है।

सर्वेक्षण के दौरान लोगों से हुई चर्चा से मिली जानकारी।

सारणी–3.5

विकास खण्ड और ग्राम पंचायत वार पानी में आर्सेनिक के मिलावट की जानकारी का स्तर

क्रमांक	विकास खण्ड	ग्राम पंचायत	आर्सेनिक की मिलावट
1	उधवा	पूर्वी उधवा	1
2		मोहनपुर	–
3		अमानत दियारा	3
4	मंडरो	महादेव बरन	17
5		दामिन भीठा	–
6		अम्बाडीहा	2
कुल			**23**

स्रोतः सर्वेक्षण से प्राप्त आँकड़े।

पानी में मिलावट की स्थिति होने पर उसको साफ करके पीने के काम में उपयोग करने के सवाल पर मात्र 37.7 प्रतिशत लोगों ने बताया कि उनके द्वारा पानी को उबाला जाता है। 58.8 प्रतिशत लोगों ने बताया कि आवश्यकता होने पर उनके द्वारा पानी को छान लिया जाता है। केवल 2.7 प्रतिशत लोगों ने ही पानी के किसी रासायनिक विधि से सफाई की जानकारी दी।

सर्वेक्षण के दौरान चर्चा से एक महत्वपूर्ण किन्तु रोचक जानकारी यह मिली कि शुद्ध पीने के पानी की समस्या को हल करने में सरकारी प्रयासों के विफल होने के कारण क्षेत्र के बहुत से परिवार बोतल बंद पानी बेचने वालों से नियमित रूप से पानी खरीद कर पीते हैं। लोगों के अनुसार उनके द्वारा पानी को खरीद कर पीने की एक वजह यह

स्थानीय स्तर पर बोतल बंद पानी बेचने वालों का एक बड़ा वर्ग पानी के बाजार आधारित व्यवस्था को बढ़ावा देने का काम कर रहा है। लोगों के द्वारा इनसे तो पानी खरीदा जा रहा है। किन्तु जल स्रोतों के रख–रखाव के लिये इनके द्वारा पैसा न दिया जाना सरकारी तंत्र के प्रति लोगों की उदासीनता को दिखाता है।

सर्वेक्षण से मिली जानकारी।

भी है कि पानी के अन्य स्रोत्रों में मिलावट के कारण उनको कई प्रकार की बिमारियाँ हो जाती हैं।

3.5 ग्राम पंचायत के स्तर पर पीने के पानी का प्रबंधन

भारतीय संविधान में किये गये 73वें संशोधन ने देश में प्रजातांत्रिक व्यवस्था को एक नयी दिशा देने का काम किया है। इस संशोधन के माध्यम से स्थानीय स्तर पर विकास से जुड़े सभी कामों में लोगों की भागीदारी को बढ़ाने और उनके द्वारा लिये गये निर्णयों को संस्थागत स्वरूप देने के उद्देश्य से ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायती राज व्यवस्था को लागू किया गया है।[12] पंचायती राज संस्थाओं से यह अपेक्षा की जाती है कि स्थानीय आवश्यकताओं के आधार पर उनके द्वारा 'आर्थिक विकास' की योजनाओं का निर्माण किया जायेगा और विकास की इस पूरी प्रक्रिया में उनके द्वारा 'सामाजिक न्याय' को सुनिश्चित किया जायेगा।

झारखण्ड में स्थानीय सामाजिक व्यवस्था को ध्यान में रखते हुये वर्ष 2010 में पंचायती राज्य अधिनियम को लागू करते हुये पंचायती राज संस्थाओं के लिये पहली बार चुनाव आयोजित किये गये। चुनाव के बाद चुन कर आये प्रतिनिधियों को स्थानीय आर्थिक और सामाजिक विकास से जुड़े विषयों पर प्रशिक्षण भी दिया गया जिससे उनके द्वारा अपनी जिम्मेदारियों का निर्वाह सही तरीके से किया जा सके।

पानी का मुद्दा एक ऐसा महत्वपूर्ण मुद्दा है जो स्थानीय विकास के साथ ही साथ मानव विकास या मानव जीवन से जुड़ा हुआ है। ऐसे में पंचायती राज संस्थाओं की स्वाभाविक रूप से यह जिम्मेदारी बनती है कि उनके द्वारा पानी के मुद्दे पर प्राथमिकता के आधार पर योजनाबद्ध तरीके से काम किया जाय। क्योंकि झारखण्ड राज्य के बहुत से जिले पानी की विभिन्न प्रकार की समस्याओं से प्रभावित हैं अतः यहाँ की पंचायती राज संस्थाओं से यह विशेष अपेक्षा की जाती है कि उनके द्वारा पानी के विषय पर संवेदनशील तरीके से योजना बनाने का काम किया जायेगा। राज्य के साहिबगंज जिले की पंचायती राज संस्थाओं पर भी यह बात उससे भी ज्यादा गंभीरता से लागू होती है क्योंकि यहाँ के पानी में रासायनिक मिलावट की भी समस्या है।

जहाँ तक सर्वेक्षण वाली ग्राम पंचायतों का प्रश्न है तो सर्वेक्षण के दौरान कुल उत्तरदाताओं में से केवल 11.7 प्रतिशत उत्तरदाताओं से ही यह जानकारी मिली कि उनके ग्राम पंचायत में पानी के मुद्दे को लेकर नियमित चर्चा की जाती है। 24.2 प्रतिशत उत्तरदाताओं के अनुसार उनके ग्राम पंचायत क्षेत्र में इस विषय पर कभी चर्चा नहीं होती है जबकि 63.9 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि कभी–कभी

[12] 74वें संविधान संशोधन के माध्यम से इसी प्रकार की व्यवस्था शहरी क्षेत्रों के लिये भी की गयी है।

उनके ग्राम पंचायत में पानी के विषय पर चर्चा की जाती है। उधवा विकास खण्ड के पर्वी उधवा और मोहनपुर ग्राम पंचायतों के किसी भी उत्तरदाता ने यह नहीं कहा कि उनके द्वोत्र में पानी के मुद्दे पर ग्राम पंचायत में नियमित चर्चा होती है (सारणी 3.6)।

सारणी 3.6

विकास खण्ड वार ग्राम पंचायत में पानी के विषय पर चर्चा की स्थिति

क्रमांक	विकास खण्ड	ग्राम पंचायत	पानी के विषय पर चर्चा		
			हाँ	कभी–कभी	कभी नहीं
1	उधवा	पूर्वी उधवा	–	117	–
2		मोहनपुर	–	174	13
3		अमानत दियारा	36	50	2
4	मंडरो	महादेव बरन	21	49	29
5		दामिन भीठा	1	53	11
6		अम्बाडीहा	28	27	124

स्रोतः सर्वेक्षण से प्राप्त आँकड़े।

ग्राम पंचायत के स्तर पर पानी के विषय पर चर्चा न होने का स्पष्ट प्रभाव ग्राम पंचायतों के द्वारा बनायी जाने वाली योजनाओं पर भी दिखता है। सर्वेक्षण के दौरान लगभग 50 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि योजनाओं को बनाने के दौरान उनके ग्राम पंचायत में पानी को लेकर कोई चर्चा नहीं की जाती है। मात्र 6.2 प्रतिशत उत्तरदाताओं के ही अनुसार उनके ग्राम पंचायत में योजनाओं को बनाने के दौरान पानी के विषय को लेकर चर्चा की जाती है।

ग्राफ–3.5

ग्राम पंचायत वार ग्राम पंचायत के स्तर पर पानी संबंधी योजना बनाने पर चर्चा की स्थिति

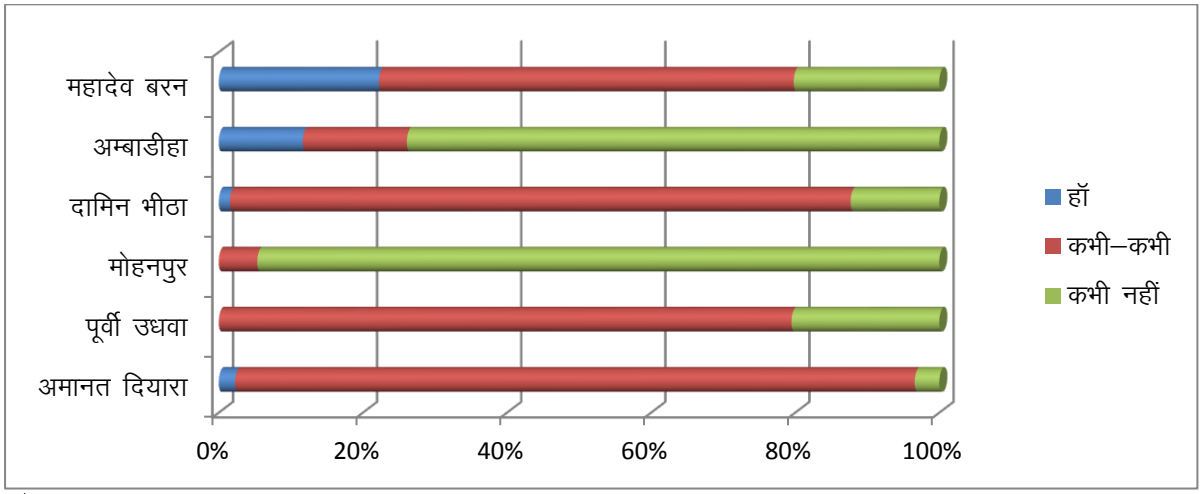

स्रोतः सर्वेक्षण से प्राप्त आँकड़े।

ग्राफ 3.5 से यह स्पष्ट है कि उधवा विकास खण्ड के पूर्वी उधवा और मोहनपुर ग्राम पंचायतों तथा मंडरो विकास खण्ड के दामिन भीठा ग्राम पंचायत में योजनाओं को बनाने के दौरान पानी के मुद्दे पर नियमित रूप से चर्चा नहीं की जा रही है। शेष ग्राम पंचायतों में भी योजना बनाने के दौरान कभी–कभी ही पानी के मुद्दे पर चर्चा की जाती है।

सर्वेक्षण के दौरान 76 प्रति प्रतिशत से अधिक उत्तरदाताओं के अनुसार उनके ग्राम पंचायत में विगत 2–3 वर्षों में उनकी ग्राम पंचायत के द्वारा पानी के मुद्दे को लेकर किया प्रकार की योजना का निर्माण नहीं किया गया है।

सर्वेक्षण से प्राप्त आँकडे.।

3.6 पेयजल स्वच्छता और समुदाय आधारित प्रयास

झारखण्ड में पेय जल और स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिये किये जा रहे प्रयासों के अन्तर्गत राज्य सरकार के द्वारा राज्य के प्रत्येक गाँव में ग्राम जल स्वच्छता समिति (वी.डब्ल्यू.एस.सी.) का गठन किया गया था। वी.डब्ल्यू.एस.सी. का एक प्रमुख काम ग्राम पंचायत के माध्यम से गाँव के स्तर पर जल सुरक्षा के प्रयासों का बढ़ावा देना है। गाँव में शुद्ध पीने के पानी के संबंध में योजना बनाने के काम में ग्राम पंचायत को सहयोग देना भी वी.डब्ल्यू.एस.सी. के महत्वपूर्ण कामों में से एक है। राज्य सरकार के द्वारा इस काम में समुदाय की भागीदारी को बढ़ाने के उद्देश्य से तथा साथ ही वी.डब्ल्यू.एस.सी. की मदद के लिये जल सहिया की भी नियुक्ति की गयी है। जल सहिया से वी.डब्ल्यू.एस.सी. के कोषाध्यक्ष सह सचिव के रूप में काम करने की अपेक्षा की गई है। समुदाय से जुड़े होने के नाते यह उम्मीद की जाती है कि जल सहिया को समुदाय के लोगों को अपने कामों में जोड़ने में आसानी होगी।

सर्वेक्षण के दौरान 72 प्रतिशत से अधिक उत्तरदाताओं ने बताया कि उनके गाँव में वी.डब्ल्यू.एस.सी. का गठन किया जा चुका है। किन्तु लोगों से की गयी चर्चा से यह जानकारी प्राप्त हुई कि उनमें वी.डब्ल्यू.एस.सी. के कामों के बारे में जानकारी का स्तर बहुत ही कम है। यहाँ तक की वी.डब्ल्यू.एस.सी. के ही कुछ सदस्यों को अपनी भूमिका स्पष्ट करने में परेशानी का सामना करना पड़ा। इसी प्रकार लोगों में जल सहिया के कामों को लेकर भी कोई स्पष्टता नहीं है। स्वयं जल सहियाओं के द्वारा भी अपने कामों की जानकारी बड़े ही अस्पष्ट तरीके से दी गयी।

उधवा विकास खण्ड के पूर्वी उधवा और मंडरो विकास खण्ड के दामिन भीठा ग्राम पंचायत के उत्तरदाताओं में वी.डब्ल्यू.एस.सी. तथा जल सहिया के कामों के बारे में बहुत कम जानकारी पायी गयी। उधवा विकास खण्ड के मोहनपुर ग्राम पंचायत में भी कमो–बेश ऐसी ही स्थिति थी।

सर्वेक्षण से प्राप्त आँकडे.।

पेय जल स्वच्छता के संदर्भ में जल सहिया का एक और महत्वपूर्ण काम गाँवों के स्तर पर शौचालयों के प्रयोग को बढ़ावा देकर लोगों में स्वच्छता संबंधी व्यावहारिक सुधार को भी बढ़ावा देना है। सर्वेक्षण के दौरान यह जानकारी मिली कि उधवा और मंडरों विकास खण्डों के केवल 13.7 प्रतिशत परिवारों में ही शौचालय की सुविधा उपलब्ध है। शेष 86.3 प्रतिशत परिवारों में अभी भी शौचायय की सुविधा उपलब्ध नहीं है जो कि एक चिंता का विषय है।

ग्राफ–3.6

ग्राम पंचायत वार परिवारों में उपलब्ध शौचालय की स्थिति

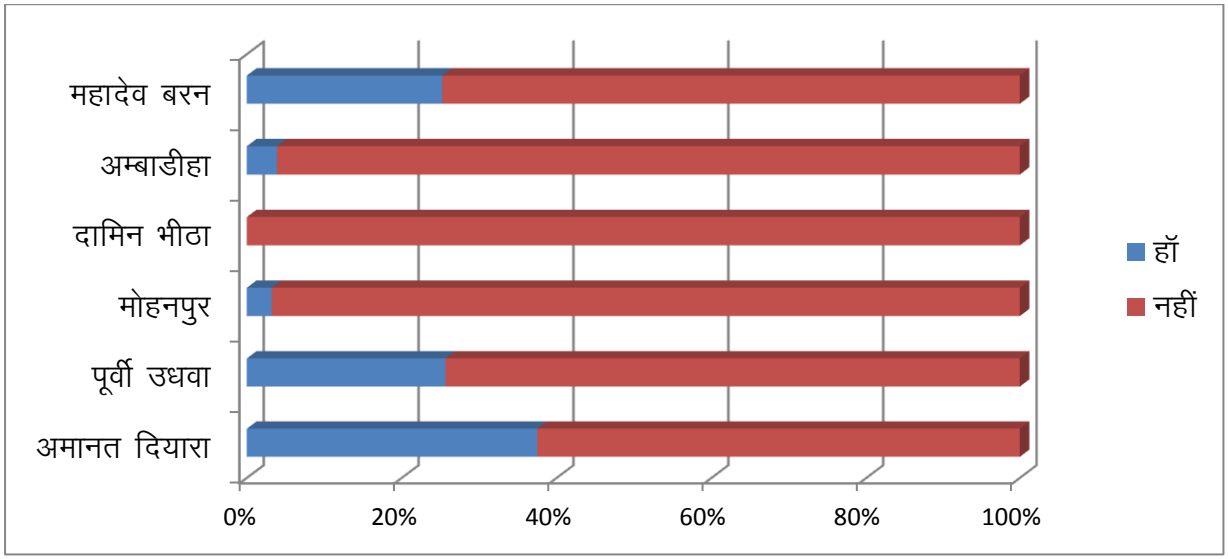

स्रोतः सर्वेक्षण से प्राप्त आँकड़े।

ग्राफ 3.6 से यह स्पष्ट है कि मंडरों विकास खण्ड के दामिन भीठा ग्राम पंचायत की स्थिति अत्यंत शोचनीय है। इसी विकास खण्ड के अम्बाडीहा और महादेव बरन तथा उधवा विकास खण्ड के मोहनपुर और पूर्वी उधवा ग्राम पंचायतों की स्थिति भी शौचालय की उपलब्धता के मामलों में बहुत दयनीय है। मंडरो विकास खण्ड के अमानत दियारा ग्राम पंचायत की स्थिति अन्य ग्राम पंचायतों की तुलना में कुछ बेहतर पायी गयी किन्तु यहाँ भी मात्र 37.5 प्रतिशत उत्तरदाताओं के घरों में शौचालय की सुविधा उपलब्ध है।

> मंडरो विकास खण्ड के दामिन भीठा ग्राम पंचायत के शत–प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि उनके घरों में शौचालय की सुविधा उपलब्ध नहीं है।
>
> **सर्वेक्षण से प्राप्त आँकडे.।**

जहाँ तक शौचालयों के उपयोग के प्रश्न है तो सर्वेक्षण से यह जानकारी प्राप्त हुई कि जिन परिवारों में शौचालय की सुविधा उपलब्ध है उन परिवारों के भी सभी सदस्य शौचालय का उपयोग नहीं करते हैं। इस संदर्भ में एक बार पुनः जल सहिया के कामों की समीक्षा की आवश्यता महसूस होती है क्योंकि शौचालयों का उपयोग लोगों के व्यावहारिक सुधार से जुड़ा हुआ मसला है और इसमें सुधार लाने के लिये निरन्तर और सघनता से प्रयास करने की आवश्यकता होती है।

> सहिबगंज में शौचालयों की उपलब्धता और उनके उपयोग के स्तर को देखते हुये स्थानीय स्तर पर जल सहिया के चयन की प्रक्रिया, उनके कामों और उनकी क्षमताओं के विकास संबंधी जरूरतों की तत्काल समीक्षा करने की आवश्यकता है।
>
> **सर्वेक्षण से प्राप्त आँकडे.।**

3.7 जल सुरक्षा योजना और इससे जुड़े क्षमता विकास के प्रयास

साहिबगंज में पीने के पानी की समस्या को लेकर राज्य सरकार के द्वारा पंचायती राज संस्थाओं तथा अन्य माध्यमों[13] से नियमित प्रयास किये जा रहे हैं। इस संबंध में राज्य सरकार के पंचायती राज विभाग, ग्रामीण विकास विभाग,[14] पेय जल स्वच्छता विभाग इत्यादि के माध्यम से पंचायती राज संस्थाओं के जन प्रतिनिधियों, जल सहिया तथा वी.डब्ल्यू.एस.सी. के अन्य सदस्यों की क्षमताओं को बढ़ाने का भी प्रयास किया गया है जिससे स्थानीय स्तर पर लोगों को शुद्ध पीने का पानी उपलब्ध कराया जा सके। राज्य सरकार के द्वारा वर्ष 2011 में जारी की गयी जल नीति में भी लघु सिंचाई हेतु पारम्परिक जलश्रोतों के प्रबन्धन एवं सम्बर्द्धन का कार्य पंचायती राज संस्थाओं के माध्यम से किये जाने की बात कही गयी है।[15] पीने के शुद्ध पानी की उपलब्धता के लिये यह जरूरी है कि स्थानीय स्तर पर जल सुरक्षा योजनाओं को बनाया जाय। इस काम के लिये स्थानीय अनुभवों और जल सुरक्षा योजना बनाने संबंधी क्षमताओं के बीच एक बेहतर ताल–मेल की आवश्यकता है।

सर्वेक्षण के दौरान लोगों के दी गयी जानकारी के अनुसार स्थानीय स्तर पर परम्परागत तरीके से लोगों के द्वारा तालाबों/पोखरों, कुँओं, झरनो,[16] और नालों के माध्यम से जल का संग्रहण और संरक्षण किया जाता रहा है। इस संबंध में स्थानीय लोगों के पास अनुभव भी है। किन्तु समय के साथ तकनीकी परिवर्तनों और अनुदान आधारित योजनाओं में 'लक्ष्य आधारित परिणाम' को पूरा करने के दबाव के कारण लोगों द्वारा परम्परागत तरीकों का उपयोग की कर दिया गया है।

---

[13] ग्राम जल स्वच्छता समिति, जल सहिया इत्यादि।
[14] राज्य ग्रामीण विकास संस्थान के सहयोग से।
[15] 'झारखंड राज्य जल नीति' (2011), जल संसाधन विभाग, झारखंड सरकार।
[16] पहाड़ी क्षेत्रों में।

इसके साथ ही परिवर्तन के अनुसार जिम्मेदार लोगों में क्षमताओं के अपर्याप्त और अनियमित विकास के कमजोर प्रयासों के कारण क्षेत्र में पीने के पानी की समस्या गंभीर होती जा रही है। सर्वेक्षण के दौरान मात्र 34.2 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने यह जानकारी दी कि सरकार की ओर से स्थानीय स्तर पर जल सुरक्षा संबंधी योजना बनाने के लिये किसी प्रकार का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उधवा विकास खण्ड के अमानत दियारा और मोहनपुर तथा मंडरो विकास खण्ड के दामिन भीठा ग्राम पंचायतों के शत–प्रतिशत उत्तरदाताओं के अनुसार सरकार के द्वारा जल सुरक्षा योजना तैयार करने के लिये ग्राम पंचायत के स्तर पर क्षमताओं के निर्माण के लिये किसी प्रकार का कोई प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित नहीं किया गया है। ऐसे में राज्य सरकार तथा उसके संबंधित विभागों के द्वारा स्थानीय स्तर पर शुद्ध पीने के पानी को लेकर चलाये जा रहे प्रयासों पर एक बार फिर से गंभीरता पूर्वक विचार करने की जरूरत है।

अध्याय 4

साहिबगंज में वर्तमान जल प्रबंधन में सुधार की संभावनायें

झारखण्ड में समुदाय आधारित जल प्रबंधन को बढ़ावा देने के लिये चलायी जा रही 'साहिबगंज जिले के 6 आर्सेनिक प्रभावित ग्राम पंचायतों में विकेन्द्रीकृत पेयजल सुरक्षा परियोजना' के अन्तर्गत साहिबगंज में किये गये बेस लाइन सर्वेक्षण से प्राप्त परिणामों को मुख्य रूप से तीन वर्गों में विभाजित करने और उन पर आधारित कार्यनीति को तैयार कर लागू करने की आवश्यकता है। सभी तीन वर्गों और उन पर आधारित कार्यनीति को निम्नलिखित प्रकार से देखा जा सकता है–

4.1 ग्राम पंचायत के स्तर पर पेयजल प्रबंधन की स्थिति में सुधार हेतु जागरूकता

सर्वेक्षण से प्राप्त परिणामों से यह स्पष्ट है कि साहिबगंज में ग्राम पंचायतों के स्तर पर पेय जल प्रबंधन की स्थिति बहुत अच्छी नहीं है। यद्यपि राज्य सरकार के द्वारा स्थानीस स्तर पर शुद्ध पीने के पानी को उपलब्ध कराने के लिये प्रयास किये जा रहे हैं किन्तु लोगों में उन प्रयासों के बारे में जानकारी का नितान्त अभाव है।

ग्राम पंचायत के स्तर पर पेय जल प्रबंधन की कमजोर स्थिति के कारण लोगों को पानी के स्रोतों की उपलब्धता का सामना करना पड़ रहा है। इतना ही नहीं बल्कि शुद्ध पीने का पानी उपलब्ध न होने के कारण स्थानीय लोगों में कई प्रकार की बिमारियाँ भी नियमित रूप से हो रही हैं। इनमें चमड़े से संबंधित बिमारियों पर विशेष रूप से ध्यान देने की आवश्यकता है क्योंकि अनुभव यह बताते हैं कि दीर्घकाल में इन बिमारियों ने कैंसर जैसी घातक बिमारियों का स्वरूप लिया है जिससे कई परिवारों ने अपने महत्वपूर्ण सदस्यों को खोया है।

इन बातों को ध्यान में रखते हुये इस बात की महत्वपूर्ण आवश्यकता है कि स्थानीय स्तर पर शुद्ध पीने के पानी के संबंध में व्यापक जन अभियान चला कर लोगों को नियमित रूप से जानकारी उपलब्ध करायी जाय। सरकार द्वारा नियुक्त जल सहिया को इस बात के लिये प्रेरित किया जाय कि उनके द्वारा स्थानीय स्तर पर जल के स्रोतों की नियमित जाँच करायी जाय और इस संबंध में विभाग के द्वारा किट की पर्याप्त और समयबद्ध व्यवस्था सुनिश्चित की जाय।

4.2 ग्राम पंचायत के स्तर पर पेयजल प्रबंधन संबंधी योजनाओं का निर्माण

सर्वेक्षण से यह जानकारी भी स्पष्ट रूप से मिली कि साहिबगंज में ग्राम पंचायतों के द्वारा जल सुरक्षा के संबंध में किसी प्रकार की योजना का निर्माण नहीं किया जा रहा है। कई ग्राम पंचायतों में तो इस संबंध में चर्चा भी नहीं की जा रही है। ग्राम पंचायतों के प्रतिनिधियों की सीमित क्षमतायें, ग्राम पंचायतों की अनियमित बैठकें और सरकारी पदाधिकारियों का पंचायती राज संस्थाओं के प्रति उदासीन रूख इसके लिये महत्वपूर्ण रूप से जिम्मेदार हैं।

जल सुरक्षा योजना न बनाये जाने से लोगों को पर्याप्त मात्रा में शुद्ध पेय जल उपलब्ध कराने के बारे में भी ग्राम पंचायतों और उनके पदाधिकारियों की जानकारी का स्तर बहुत कम है। ऐसे में उनके द्वारा किसी गंभीर प्रयास किये जाने की अपेक्षा करना बेमानी होगी। किन्तु ऐसी स्थिति के बनने के कारण ही स्थानीय स्तर पर बाजार आधारित पेय जल की व्यवस्था प्रारम्भ हो गयी है और पानी के मुद्दे से जुड़े कई अन्य हितभागियों के अपने व्यक्तिगत हित भी इसमें जुड़ने लगे हैं।

ऐसे में ग्राम पंचायतों के स्तर पर जल सुरक्षा योजनाओं के निर्माण को बढ़ावा देने की तत्काल आवश्कता है। जल सुरक्षा योजनाओं के निर्माण से स्थानीय स्तर पर पानी के विभिन्न स्रोतों की उपलब्धता, उपलब्ध पानी की मात्रा और परिवारों के अनुसार आवश्यक शुद्ध पानी की मात्रा की जानकारी मिल सकेगी। इस जानकारी के माध्यम से समुदाय के लोगों को जोड़कर पानी के संचयन, संरक्षण और उसके समुचित उपयोग की एक बेहतर कार्यनीति बनायी जा सकेगी। किन्तु इस दिशा में सरकार के द्वारा क्षमता निर्माण के काम को प्राथमिकता के आधार पर करने की जरूरत है।

इस संबंध में सरकार के साथ ही साथ गैर सरकारी प्रयासों को भी बढ़ावा देने की आवश्यकता है। राज्य और देश के स्तर पर कई ऐसी संस्थायें हैं जो सहभागी पद्धतियों के माध्यम से समुदाय आधारित शुद्ध पानी की व्यवस्था को बनाने में दक्षता रखती हैं। इन संस्थाओं को जोड़कर भी स्थानीय स्तर पर समुदाय आधारित पानी के प्रबंधन को बेहतर बनाया जा सकता है।

4.3 ग्राम पंचायतों की योजनाओं के लिये वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता

क्षमताओं को प्राप्त कर लेने के बाद यह आवश्यक है कि ग्राम पंचायतों के द्वारा तैयार की गयी योजनाओं को पूरी संवेदनशीता के साथ लागू कराने के लिये आवश्यक वित्तीय संसाधन समय पर उपल्बध कराया जाय। सर्वेक्षण के दौरान हुई चर्चाओं से यह जानकारी भी मिली कि ग्राम पंचायतों के द्वारा तैयार की गयी योजनाओं को उपर के अधिकारियों के द्वारा कोई महत्व नहीं दिया जाता है। राज्य और जिले के स्तर के अधिकारी मात्र अपने विभागीय लक्ष्यों से सरोकार रखते हैं।

पंचायती राज व्यवस्था के साथ ही जिले के स्तर पर संवैधानिक रूप से जिला योजना समितियों का निर्माण किया गया है। यदि जिला योजना समितियों के द्वारा पहल की जाय और ग्राम पंचायतों के द्वारा नयी क्षमताओं के आधार पर तैयार की योजनाओं के लिये समय पर वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराया जाय तो इससे पंचायती राज संस्थाओं को मजबूती मिलेगी और लोगों का विश्वास इन संस्थाओं के प्रति बढ़ेगा। जिला योजना समितियों के माध्यम से विभिन्न विभागों के बीच बेहतर ताल–मेल बैठा कर उनकी योजनाओं में कन्वर्जेन्स को बढ़ावा दिया सकेगा।

जिला योजना समिति की सक्रियता से जिले के स्तर पर योजनाओं के निर्माण के साथ ही साथ नियमित रूप से उनका अनुश्रवण भी किया जा सकेगा।

संलग्नक

संलग्नक–1

ग्राम पंचायत वार चयनित जल स्रोतों में मिलावट (दूषण) का प्रकार और उसके स्तर की जानकारी

ग्राम पंचायत – अम्बाडीहा

क्रम	स्रोत	स्थान	गाँव का नाम	दिनांक (फ्लोराइड और आयरन)	फ्लोराइड	आयरन	आर्सेनिक	दिनांक (आर्सेनिक)	जीवाणु	दिनांक (जीवाणु)
1	हैण्ड पम्प	बलराम शर्मा	श्रीराम चौकी संथाली	01.06.2014	मापन स्तर से कम	0.30	0.001	11.04.2014	हाँ	27.05.2014
2	हैण्ड पम्प	जोसेफ मरांडी	श्रीराम चौकी संथाली	01.06.2014	मापन स्तर से कम	5.00	0.001	02.04.2014	हाँ	26.05.2014
3	हैण्ड पम्प	डगरू हंसदा	श्रीराम चौकी संथाली	01.06.2014	मापन स्तर से कम	8.00	0.001	02.04.2014	हाँ	26.05.2014
4	हैण्ड पम्प	भोला मरांडी	श्रीराम चौकी संथाली	01.06.2014	मापन स्तर से कम	5.00	0.001	11.04.2014	हाँ	27.05.2014
5	हैण्ड पम्प	तालू हंसदा	श्रीराम चौकी संथाली	01.06.2014	मापन स्तर से कम	10.00	0.001	11.04.2014	हाँ	26.05.2014
6	हैण्ड पम्प	सहदेव महतो	श्रीराम चौकी बाजार	01.06.2014	मापन स्तर से कम	5.00	0.001	11.04.2014	हाँ	27.05.2014
7	हैण्ड पम्प	विनोद सिन्हा	श्रीराम चौकी बाजार	01.06.2014	मापन स्तर से कम	0.30	मापन स्तर से कम	11.04.2014	हाँ	27.05.2014
8	हैण्ड पम्प	सुनील कुमार	श्रीराम चौकी बाजार	01.06.2014	मापन स्तर से कम	0.20	मापन स्तर से कम	01.04.2014	हाँ	27.05.2014
9	हैण्ड पम्प	अनिता देवी	श्रीराम चौकी बाजार	01.06.2014	मापन स्तर से कम	1.00	मापन स्तर से कम	02.04.2014	हाँ	27.05.2014
10	हैण्ड पम्प	अशोक महालदार	श्रीराम चौकी बाजार	01.06.2014	मापन स्तर से कम	1.00	0.001	02.04.2014	हाँ	27.05.2014
11	कुँआ	मनोज हंसदा	पोल्मा	01.06.2014	मापन स्तर से कम	मापन स्तर से कम	मापन स्तर से कम	02.04.2014	खराब था	26.05.2014

12	हैण्ड पम्प	सोनालाल मदहिया	पिंडारी	01.06.2014	मापन स्तर से कम	1.00	मापन स्तर से कम	01.04.2014	खराब था	27.05.2014
13	हैण्ड पम्प	मंजू देवी	पिंडारी	01.06.2014	मापन स्तर से कम	0.30	0.001	01.04.2014	हाँ	27.05.2014
14	हैण्ड पम्प	बीटू किस्कू	पिंडारी	01.06.2014	मापन स्तर से कम	4.00	मापन स्तर से कम	11.04.2014	हाँ	27.05.2014
15	हैण्ड पम्प	सुमित्रा मुसम्मात	पिंडारी	01.06.2014	मापन स्तर से कम	1.00	मापन स्तर से कम	11.04.2014	हाँ	27.05.2014
16	हैण्ड पम्प	रामका मुर्मू	बड़ा बेतोना	01.06.2014	मापन स्तर से कम	0.30	मापन स्तर से कम	01.04.2014	नहीं	27.05.2014
17	हैण्ड पम्प	पंडू सोरेन	बड़ा बेतोना	01.06.2014	मापन स्तर से कम	0.30	मापन स्तर से कम	01.04.2014	नहीं	27.05.2014
18	हैण्ड पम्प	कान्हू बेसरा	बड़ा सोलबंधा	01.06.2014	मापन स्तर से कम	3.00	मापन स्तर से कम	02.04.2014	हाँ	27.05.2014
19	हैण्ड पम्प	बेटका मरांडी	बड़ा सोलबंधा	01.06.2014	मापन स्तर से कम	1.00	मापन स्तर से कम	02.04.2014	हाँ	27.05.2014
20	हैण्ड पम्प	शंकर भूइया	लालमाटी	01.06.2014	मापन स्तर से कम	1.00	0.001	02.04.2014	हाँ	26.05.2014
21	हैण्ड पम्प	झूमरी हेम्ब्रम	झगरू चौकी	01.06.2014	मापन स्तर से कम	0.30	मापन स्तर से कम	02.04.2014	हाँ	26.05.2014
22	हैण्ड पम्प	हीरीद यादव	झगरू चौकी	01.06.2014	मापन स्तर से कम	3.00	मापन स्तर से कम	02.04.2014	हाँ	26.05.2014
23	हैण्ड पम्प	शेरूनिसा के घर के पास	अम्बाडीहा	01.06.2014	मापन स्तर से कम	3.50	0.001	01.04.2014	नहीं	27.05.2014
24	हैण्ड पम्प	उच्च प्राथमिक विद्यालय	अम्बाडीहा	01.06.2014	मापन स्तर से कम	1.00	मापन स्तर से कम	01.04.2014	खराब था	27.05.2014
25	हैण्ड पम्प	मंजू जायसवाल के घर के पास	अम्बाडीहा	01.06.2014	मापन स्तर से कम	0.30	मापन स्तर से कम	01.04.2014	हाँ	27.05.2014
26	हैण्ड पम्प	दीना मरांडी के घर के पास	अम्बाडीहा	01.06.2014	मापन स्तर से कम	0.30	मापन स्तर से कम	11.04.2014	हाँ	27.05.2014
27	हैण्ड पम्प	राम राय बेसरा	अम्बाडीहा	01.06.2014	मापन स्तर से कम	3.00	मापन स्तर से कम	11.04.2014	नहीं	27.05.2014
28	कुँआ	मंझली सोरन	अम्बाडीहा	01.06.2014	मापन स्तर से कम	0.10	मापन स्तर से कम	11.04.2014	हाँ	27.05.2014

29	हैण्ड पम्प	किशन पासवान	छोटी सोलबंधा	01.06.2014	मापन स्तर से कम	2.00	0.001	01.04.2014	हाँ	27.05.2014
30	हैण्ड पम्प	लक्ष्मी पासवान	छोटी सोलबंधा	01.06.2014	मापन स्तर से कम	0.30	0.001	01.04.2014	नहीं	27.05.2014
31	हैण्ड पम्प	श्याम बेसरा	छोटी सोलबंधा	01.06.2014	मापन स्तर से कम	0.30	मापन स्तर से कम	01.04.2014	हाँ	27.05.2014
32	हैण्ड पम्प	जू मरांडी	छोटी सोलबंधा	01.06.2014	मापन स्तर से कम	2.00	0.001	01.04.2014	हाँ	27.05.2014
33	हैण्ड पम्प	इंदिरा रित्यसाम	छोटी सोलबंधा	01.06.2014	मापन स्तर से कम	2.50	0.002	01.04.2014	हाँ	27.05.2014

ग्राम पंचायत – दामिन भीटा

क्रम	स्रोत	स्थान	गाँव का नाम	दिनांक (फ्लोराइड और आयरन)	फ्लोराइड	आयरन	आर्सेनिक	दिनांक (आर्सेनिक)	जीवाणु	दिनांक (जीवाणु)
1	कुँआ	ताड़ का पेड	दामिन भीटा	02.06.2014	मापन स्तर से कम	0.30	0.004	06.04.2014	नहीं	26.05.2014
2	कुँआ	खेत	दामिन भीटा	02.06.2014	मापन स्तर से कम	0.30	0.005	06.04.2014	हाँ	26.05.2014
3	कुँआ	अकेला	दामिन भीटा	02.06.2014	मापन स्तर से कम	0.20	0.002	06.04.2014	हाँ	26.05.2014
4	कुँआ	केले का पेड	दामिन भीटा	02.06.2014	मापन स्तर से कम	0.30	0.005	06.04.2014	हाँ	27.05.2014
5	कुँआ	अमरूद का पेड	दामिन भीटा	02.06.2014	मापन स्तर से कम	2.00	0.005	06.04.2014	हाँ	27.05.2014
6	कुँआ	अकेला	सुन्दर पहाड़	02.06.2014	मापन स्तर से कम	1.00	0.003	06.04.2014	हाँ	27.05.2014
7	कुँआ	अकेला	सुगनी पहाड़	02.06.2014	मापन स्तर से कम	1.00	0.005	06.04.2014	हाँ	27.05.2014
8	कुँआ	अकेला	बिरसी गमीराउ़	02.06.2014	मापन स्तर से कम	0.30	0.003	06.04.2014	हाँ	27.05.2014

9	कुँआ	अकेला	पकड़िया पहाड़	02.06.2014	मापन स्तर से कम	0.30	0.005	06.04.2014	हाँ	27.05.2014
10	कुँआ	अकेला	गिलामारी पहाड़	02.06.2014	मापन स्तर से कम	1.00	0.002	06.04.2014	हाँ	27.05.2014
11	कुँआ	अकेला	अमझोरी पहाड़	02.06.2014	मापन स्तर से कम	1.00	0.002	06.04.2014	हाँ	28.05.2014
12	कुँआ	अकेला	बरकुड़ा पहाड़	02.06.2014	0.3	3.00	0.002	07.04.2014	नहीं	28.05.2014
13	कुँआ	अकेला	सिमरिया पहाड़	02.06.2014	1	5.00	0.003	07.04.2014	नहीं	28.05.2014
14	कुँआ	अकेला	अत्तिदारी पहाड़	02.06.2014	5	2.00	0.003	07.04.2014	नहीं	30.05.2014
15	कुँआ	अकेला	गुट्टीबेड़ा	02.06.2014	3	मापन स्तर से कम	0.005	07.04.2014	नहीं	30.05.2014
16	कुँआ	अकेला	बच्चा पहाड़	02.06.2014	0.3	0.30	0.005	07.04.2014	नहीं	30.05.2014
17	कुँआ	अकेला	गुट्टीबेड़ा	02.06.2014	0.3	1.00	0.005	07.04.2014	हाँ	30.05.2014
18	कुँआ	अकेला	गुट्टीबेड़ा	03.06.2014	मापन स्तर से कम	2.00	0.005	07.04.2014	नहीं	30.05.2014
19	कुँआ	अकेला	कानी पहाड़	03.06.2014	0.3	3.00	0.004	07.04.2014	नहीं	30.05.2014
20	कुँआ	अकेला	सोड़ा पहाड़	03.06.2014	1	1.00	मापन स्तर से कम	07.04.2014	हाँ	30.05.2014
21	कुँआ	अकेला	रसोई पहाड़	03.06.2014	2	2.00	मापन स्तर से कम	07.04.2014	हाँ	31.05.2014
22	हैण्ड पम्प	अकेला	पकड़िया संथाली	03.06.2014	1	1.00	मापन स्तर से कम	07.04.2014	नहीं	31.05.2014
23	हैण्ड पम्प	अकेला	पकड़िया संथाली	03.06.2014	मापन स्तर से कम	3.00	मापन स्तर से कम	07.04.2014	नहीं	31.05.2014
24	हैण्ड पम्प	अकेला	पकड़िया संथाली	03.06.2014	मापन स्तर से कम	2.00	मापन स्तर से कम	07.04.2014	नहीं	31.05.2014
25	कुँआ	अकेला	पकड़िया संथाली	03.06.2014	2	1.00	मापन स्तर से कम	07.04.2014	नहीं	31.05.2014

26	हैण्ड पम्प	अकेला	अमझोरी संथाली	03.06.2014	3	0.30	मापन स्तर से कम	07.04.2014	हाँ	31.05.2014
27	हैण्ड पम्प	अकेला	अमझोरी संथाली	03.06.2014	5	मापन स्तर से कम	मापन स्तर से कम	07.04.2014	हाँ	31.05.2014
28	कुँआ	अकेला	अमझोरी संथाली	03.06.2014	3	0.30	मापन स्तर से कम	07.04.2014	हाँ	31.05.2014

ग्राम पंचायत – महादेव बरन

क्रम	स्रोत	स्थान	गाँव का नाम	दिनांक (फ्लोराइड और आयरन)	फ्लोराइड	आयरन	आर्सेनिक	दिनांक (आर्सेनिक)	जीवाणु	दिनांक (जीवाणु)
1	हैण्ड पम्प	स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया हटिया	मिर्जा चौकी	31.05.2014	मापन स्तर से कम	1.50	0.005	04.04.2014	हाँ	27.05.2014
2	हैण्ड पम्प	मिर्जा चौकी हटिया मंदिर	मिर्जा चौकी	31.05.2014	मापन स्तर से कम	1.00	0.01	04.04.2014	नहीं	27.05.2014
3	हैण्ड पम्प	मिर्जा चौकी हटिया नाश्ते की दुकान	मिर्जा चौकी	31.05.2014	मापन स्तर से कम	2.50	0.005	04.04.2014	नहीं	27.05.2014
4	हैण्ड पम्प	मिर्जा चौकी हटिया	मिर्जा चौकी	31.05.2014	मापन स्तर से कम	2.50	0.005	04.04.2014	खराब था	27.05.2014
5	हैण्ड पम्प	हनुमान मंदिर	मिर्जा चौकी	31.05.2014	मापन स्तर से कम	0.30	0.005	04.04.2014	नहीं	25.05.2014
6	हैण्ड पम्प	लेहिया नगर	मिर्जा चौकी	31.05.2014	मापन स्तर से कम	3.50	0.005	04.04.2014	नहीं	25.05.2014
7	हैण्ड पम्प	यूको बैंक के सामने	मिर्जा चौकी	31.05.2014	मापन स्तर से कम	5.00	0.001	04.04.2014	हाँ	25.05.2014
8	हैण्ड पम्प	यूको बैंक के पास	मिर्जा चौकी	31.05.2014	मापन स्तर से कम	3.50	0.005	04.04.2014	हाँ	26.05.2014
9	हैण्ड पम्प	शीतल पाठक	मिर्जा चौकी	31.05.2014	मापन स्तर से कम	3.00	0.005	04.04.2014	हाँ	26.05.2014
10	हैण्ड पम्प	सागर कुमार	मिर्जा चौकी	31.05.2014	मापन स्तर से कम	2.00	0.002	04.04.2014	हाँ	26.05.2014
11	हैण्ड पम्प	अभिषेक सिंह	मिर्जा चौकी	31.05.2014	मापन स्तर	0.30	0.002	04.04.2014	नहीं	26.05.2014

					से कम					
12	हैण्ड पम्प च	गॉधी नगर जयनाथ मंडल	नीमगाछी	31.05.2014	मापन स्तर से कम	5.50	0.005	03.04.2014	हाँ	30.05.2014
13	हैण्ड पम्प	रघुवंश चौधरी	नीमगाछी	31.05.2014	मापन स्तर से कम	2.00	0.005	03.04.2014	हाँ	30.05.2014
14	हैण्ड पम्प	श्री कमल गौर	नीमगाछी	31.05.2014	मापन स्तर से कम	0.30	0.005	03.04.2014	हाँ	30.05.2014
15	हैण्ड पम्प	चुलई रजक	नीमगाछी	31.05.2014	मापन स्तर से कम	3.50	0.005	03.04.2014	हाँ	30.05.2014
16	हैण्ड पम्प	गणेश चौधरी	नीमगाछी	31.05.2014	मापन स्तर से कम	2.00	0.005	03.04.2014	हाँ	30.05.2014
17	हैण्ड पम्प	छोटेलाल लहरी	नीमगाछी	31.05.2014	मापन स्तर से कम	0.30	0.005	03.04.2014	हाँ	30.05.2014
18	हैण्ड पम्प	अर्जुन चौधरी	नीमगाछी	31.05.2014	मापन स्तर से कम	1.00	0.005	03.04.2014	हाँ	30.05.2014
19	हैण्ड पम्प	अशोक रजक	नीमगाछी	31.05.2014	मापन स्तर से कम	2.00	0.01	03.04.2014	हाँ	30.05.2014
20	हैण्ड पम्प	कालीचरण्र तांती	छप्डळ।ब्म्प	31.05.2014	मापन स्तर से कम	2.00	0.005	03.04.2014	हाँ	30.05.2014
21	हैण्ड पम्प	सुलना बेसरा	नीमगाछी	31.05.2014	मापन स्तर से कम	0.30	0.005	05.04.2014	हाँ	26.05.2014
22	हैण्ड पम्प	ऋषि कुमार	मिर्जा चौकी	31.05.2014	मापन स्तर से कम	1.00	0.005	05.04.2014	नहीं	27.05.2014
23	हैण्ड पम्प	पुलिस चौकी	मिर्जा चौकी	31.05.2014	मापन स्तर से कम	2.00	0.001	05.04.2014	हाँ	27.05.2014
24	हैण्ड पम्प	तिनवा स्कुल	मिर्जा चौकी	31.05.2014	मापन स्तर से कम	1.00	0.005	05.04.2014	हाँ	27.05.2014
25	हैण्ड पम्प	दीपक कुमार	मिर्जा चौकी	31.05.2014	मापन स्तर से कम	2.00	0.002	05.04.2014	हाँ	26.05.2014
26	हैण्ड पम्प	राजेश कुमार	मिर्जा चौकी	31.05.2014	मापन स्तर से कम	0.30	0.005	05.04.2014	हाँ	26.05.2014

ग्राम पंचायत – मोहनपुर

क्रम	स्रोत	स्थान	गाँव का नाम	दिनांक (फ्लोराइड और आयरन)	फ्लोराइड	आयरन	आर्सेनिक	दिनांक (आर्सेनिक)	जीवाणु	दिनांक (जीवाणु)
1	हैण्ड पम्प	सुरेश रिखी के घर के नजदीक	कामूढ़ाना	01.05.2014	मापन स्तर से कम	0.3	0.005	01.05.2014	नहीं	28.05.2014
2	हैण्ड पम्प	नारायण मंडल के घर के नजदीक	कामूढ़ाना	01.05.2014	मापन स्तर से कम	0.3	0.005	01.05.2014	नहीं	28.05.2014
3	हैण्ड पम्प	निमाई मुरमू के घर के नजदीक	चामूढ़ाना	01.05.2014	मापन स्तर से कम	0.3	0.005	01.05.2014	नहीं	28.05.2014
4	हैण्ड पम्प	लाखन के घर के नजदीक	चामूढ़ाना	02.05.2014	मापन स्तर से कम	0.3	0.005	02.05.2014	हाँ	27.05.2014
5	हैण्ड पम्प	हीरालाल के घर के नजदीक	किस्तोपुर	02.05.2014	मापन स्तर से कम	1.00	0.005	02.05.2014	हाँ	27.05.2014
6	हैण्ड पम्प	ज्योतिष भगत के घर के सामने	किस्तोपुर	02.05.2014	मापन स्तर से कम	3.00	0.005	02.05.2014	नहीं	27.05.2014
7	हैण्ड पम्प	प्राथमिक विद्यालय	किस्तोपुर	02.05.2014	मापन स्तर से कम	5.00	0.005	02.05.2014	हाँ	27.05.2014
8	कुआँ	उच्च प्राथमिक विद्यालय	किस्तोपुर	03.05.2014	मापन स्तर से कम	मापन स्तर से कम	0.005	03.05.2014	हाँ	28.05.2014
9	हैण्ड पम्प	सुधीर दास के घर के सामने	किस्तोपुर	03.05.2014	मापन स्तर से कम	0.3	0.005	03.05.2014	नही	28.05.2014
10	हैण्ड पम्प	बाबु रिखी के घर के सामने	किस्तोपुर	03.05.2014	मापन स्तर से कम	0.3	0.005	03.05.2014	खराब था	30.05.2014
11	हैण्ड पम्प	नैकी हांडसा के घर के सामने	लालबथान	03.05.2014	मापन स्तर से कम	0.3	0.005	03.05.2014	खराब था	30.05.2014
12	हैण्ड पम्प	रमेश मुरमू के घर के सामने	लालबथान	05.05.2014	मापन स्तर से कम	0.3	0.005	03.05.2014	नहीं	27.05.2014
13	हैण्ड पम्प	रमेश मुरमू के घर के सामने	लालबथान	05.05.2014	मापन स्तर से कम	0.3	0.005	05.05.2014	नहीं	27.05.2014
14	हैण्ड पम्प	जोबलू मुरमू के घर के सामने	लालबथान	05.05.2014	मापन स्तर से कम	0.3	0.005	05.05.2014	हाँ	27.05.2014
15	हैण्ड पम्प	श्यामल मुरमू के घर के सामने	लालबथान	05.05.2014	मापन स्तर से कम	1.00	0.005	05.05.2014	नहीं	27.05.2014

16	हैण्ड पम्प	बाबुधन हेमब्रेम के घर के सामने	लालबथान	06.05.2014	मापन स्तर से कम	1.00	0.005	06.05.2014	नहीं	27.05.2014
17	हैण्ड पम्प	रमेश शाह के घर के सामने	मोहनपुर	06.05.2014	मापन स्तर से कम	0.3	0.005	06.05.2014	नहीं	30.05.2014
18	हैण्ड पम्प	गणेश रिखी के घर के सामने	मोहनपुर	06.05.2014	मापन स्तर से कम	0.3	0.005	06.05.2014	हाँ	30.05.2014
19	हैण्ड पम्प	फुलू के घर के सामने	मोहनपुर	06.05.2014	मापन स्तर से कम	0.3	0.005	06.05.2014	हाँ	28.05.2014
20	हैण्ड पम्प	गौतम शाह के घर के सामने	मोहनपुर	07.05.2014	मापन स्तर से कम	0.3	0.005	07.05.2014	हाँ	28.05.2014
21	हैण्ड पम्प	मोहनपुर के नजदीक उच्च प्राथमिक विद्यालय	मोहनपुर	07.05.2014	मापन स्तर से कम	0.3	0.005	07.05.2014	हाँ	28.05.2014
22	हैण्ड पम्प	प्रकाश मंडल के घर के सामने	मोहनपुर	07.05.2014	मापन स्तर से कम	0.3	0.005	07.05.2014	हाँ	28.05.2014
23	कुऑ	मुकेश के घर के सामने	मोहनपुर	08.05.2014	मापन स्तर से कम	0.3	0.005	08.05.2014	हाँ	28.05.2014
24	हैण्ड पम्प	मोहनपुर के नजदीक आंगनबाड़ी केन्द्र	मोहनपुर	08.05.2014	मापन स्तर से कम	0.3	0.005	08.05.2014	हाँ	28.05.2014
25	हैण्ड पम्प	धरनी भगत के घर के सामने	मोहनपुर	08.05.2014	मापन स्तर से कम	1.00	0.005	08.05.2014	हाँ	28.05.2014
26	हैण्ड पम्प	मोतीलाल बागती के घर के सामने	मोहनपुर	09.05.2014	मापन स्तर से कम	0.3	0.005	09.05.2014	हाँ	28.05.2014
27	हैण्ड पम्प	बुलाया हांडसा के घर के सामने	लखीजोल	09.05.2014	मापन स्तर से कम	0.3	0.005	09.05.2014	हाँ	30.05.2014
28	हैण्ड पम्प	प्रगाना के घर के सामने	लखीजोल	09.05.2014	मापन स्तर से कम	0.3	0.005	09.05.2014	हाँ	30.05.2014
29	हैण्ड पम्प	जांगुरू के घर के सामने	लखीजोल	10.05.2014	मापन स्तर से कम	0.3	0.005	10.05.2014	खराब था	30.05.2014
30	हैण्ड पम्प	लुखीराम के घर के सामने	लखीजोल	10.05.2014	मापन स्तर से कम	0.3	0.005	10.05.2014	नहीं	30.05.2014

ग्राम पंचायत – अमानत दियारा

क्रम	स्रोत	स्थान	गाँव का नाम	दिनांक (फ्लोराइड और आयरन)	फ्लोराइड	आयरन	आर्सेनिक	दिनांक (आर्सेनिक)	जीवाणु	दिनांक (जीवाणु)
1	हैण्ड पम्प	सतरू डाक्टर के नजदीक	फोरजूल टोला	30.05.2014	मापन स्तर से कम	5.00	0.1	07.04.2014	हां	28.05.2014
2	हैण्ड पम्प	प्राथमिक विद्यालय के नजदीक	फोरजूल टोला	30.05.2014	मापन स्तर से कम	10.00	0.1	07.04.2014	हां	28.05.2014
3	हैण्ड पम्प	नजमुल शेख आंगनबाड़ी	फोरजूल टोला	30.05.2014	मापन स्तर से कम	5.00	0.12	07.04.2014	नहीं	28.05.2014
4	हैण्ड पम्प	नफु शेख के घर के नजदीक	फोरजूल टोला	30.05.2014	मापन स्तर से कम	5.00	0.07	07.04.2014	हां	28.05.2014
5	हैण्ड पम्प	जमींदार के घर के नजदीक	आइनुल टोला	30.05.2014	मापन स्तर से कम	10.00	0.025	07.04.2014	नहीं	30.05.2014
6	हैण्ड पम्प	अमीन शेख के घर के नजदीक	आइनुल टोला	30.05.2014	मापन स्तर से कम	3.00	0.05	08.04.2014	नहीं	30.05.2014
7	हैण्ड पम्प	नुरूल इस्लाम के घर के नजदीक	कुदरत टोला	30.05.2014	मापन स्तर से कम	3.00	0.005	08.04.2014	नहीं	30.05.2014
8	हैण्ड पम्प	सज्जत शेख के घर के नजदीक	कथली टोला	30.05.2014	मापन स्तर से कम	2.00	0.01	08.04.2014	नहीं	30.05.2014
9	हैण्ड पम्प	मोंगुल शेख के घर के नजदीक	कथली टोला	30.05.2014	मापन स्तर से कम	5.00	0.1	08.04.2014	हां	28.05.2014
10	हैण्ड पम्प	मुस्ताक शेख के घर के नजदीक	घासी टोला	30.05.2014	मापन स्तर से कम	5.00	0.1	08.04.2014	हां	28.05.2014
11	हैण्ड पम्प	भीखू शेख के घर में	घासी टोला	30.05.2014	मापन स्तर से कम	5.00	0.005	09.04.2014	नहीं	30.05.2014
12	हैण्ड पम्प	जीआउल शेख के घर के नजदीक	युनुस हाजी टोला	30.05.2014	मापन स्तर से कम	3.00	0.1	09.04.2014	नहीं	28.05.2014
13	हैण्ड पम्प	मनाना शेख के घर के नजदीक	गन्नी हाजी टोला	30.05.2014	मापन स्तर से कम	5.00	0.08	09.04.2014	नहीं	27.05.2014
14	हैण्ड पम्प	सीफाद शेख के घर के नजदीक	गन्नी हाजी टोला	30.05.2014	मापन स्तर से कम	10.00	0.005	09.04.2014	हां	27.05.2014
15	हैण्ड पम्प	शमशेर शेख के घर के नजदीक	विसास टोला	30.05.2014	मापन स्तर से कम	2.00	0.025	09.04.2014	हां	27.05.2014

16	हैण्ड पम्प	नीआमुद्दीन शेख मस्जीद के नजदीक	विसास टोला	30.05.2014	मापन स्तर से कम	5.00	0.07	10.04.2014	हां	30.05.2014
17	हैण्ड पम्प	विसरत घोष के घर के पहले	शेखु मिना टोला	30.05.2014	मापन स्तर से कम	10.00	0.08	10.04.2014	हां	30.05.2014
18	हैण्ड पम्प	के घर के नजदीक	झब्बु डॉक्टर टोला	31.05.2014	मापन स्तर से कम	5.00	0.15	10.04.2014	नहीं	30.05.2014
19	हैण्ड पम्प	दिलीप परमानिक के घर में	झब्बु डॉक्टर टोला	31.05.2014	मापन स्तर से कम	3.00	0.005	10.04.2014	नहीं	30.05.2014
20	हैण्ड पम्प	नव प्राथमिक विद्यालय में	गुनी टोला	31.05.2014	मापन स्तर से कम	2.00	0.005	10.04.2014	नहीं	30.05.2014
21	हैण्ड पम्प	विकास परमानिक के घर के नजदीक	रोहीम हाजी टोला	31.05.2014	मापन स्तर से कम	3.00	0.01	11.04.2014	नहीं	30.05.2014
22	हैण्ड पम्प	मनरूद्दीन शेख के घर में	खुलुद्दीन टोला	31.05.2014	मापन स्तर से कम	1.00	0.005	11.04.2014	नहीं	28.05.2014
23	हैण्ड पम्प	सादिक अली के घर के नजदीक आंगनबाड़ी में	अब्दुल हक टोला	31.05.2014	मापन स्तर से कम	3.00	0.08	11.04.2014	नहीं	28.05.2014
24	हैण्ड पम्प	दारूल उलुम मदरसा में	अब्दुल हक टोला	31.05.2014	मापन स्तर से कम	3.00	0.005	11.04.2014	नहीं	28.05.2014
25	हैण्ड पम्प	अस्मतअली शेख के घर के सामने	नोजार गुनी टोला	31.05.2014	मापन स्तर से कम	1.00	0.1	11.04.2014	नहीं	30.05.2014

ग्राम पंचायत – पूर्वी उधवा

क्रम	स्रोत	स्थान	गाँव का नाम	दिनांक (फ्लोराइड और आयरन)	फ्लोराइड	आयरन	आर्सेनिक	दिनांक (आर्सेनिक)	जीवाणु	दिनांक (जीवाणु)
1	हैण्ड पम्प	निरंजन सुनार के घर के सामने	सोमवारी हाथपाड़ा	31.05.2014	मापन स्तर से कम	0.3	0.005	15.04.2014	हां	30.05.2014
2	हैण्ड पम्प	मंदिर के निकट/ तपुस झा	सोमवारी हाथपाड़ा	31.05.2014	मापन स्तर से कम	0.3	0.005	15.04.2014	हां	30.05.2014
3	हैण्ड पम्प	काली मंदिर/ दिलीप सुनार के बगल में	सोमवारी हाथपाड़ा	31.05.2014	मापन स्तर से कम	5	0.005	15.04.2014	हां	27.05.2014
4	हैण्ड पम्प	हनुमान मंदिर/ गौतम सुनार के बगल में	सोमवारी हाथपाड़ा	31.05.2014	मापन स्तर से कम	1	0.005	15.04.2014	हां	27.05.2014
5	हैण्ड पम्प	अलाउद्दीन के घर के बगल में	जंगलपाड़ा	31.05.2014	मापन स्तर से कम	5	0.005	15.04.2014	हां	27.05.2014
6	हैण्ड पम्प	सुनील चौधरी के घर के सामने	जंगलपाड़ा	26.04.2014	मापन स्तर से कम	0.2	0.005	18.04.2014	हां	27.05.2014
7	हैण्ड पम्प	काली मंदिर के सामने	बुतरू टोला	26.04.2014	मापन स्तर से कम	0.2	मापन स्तर से कम	18.04.2014	नहीं	30.05.2014
8	हैण्ड पम्प	निभाश मंडल के घर के सामने	बुतरू टोला	26.04.2014	मापन स्तर से कम	1	0.005	18.04.2014	नहीं	28.05.2014
9	हैण्ड पम्प	मस्जिद के सामने/राजू के घर के बगल में	कलालपाड़ा	26.04.2014	मापन स्तर से कम	0.3	0.005	18.04.2014	हां	28.05.2014
10	हैण्ड पम्प	एगजामुन के घर के बगल में	कलालपाड़ा	27.04.2014	मापन स्तर से कम	1	0.01	19.04.2014	नहीं	28.05.2014
11	हैण्ड पम्प	काली मंदिर के बगल में	बिनटोली	27.04.2014	मापन स्तर से कम	0.2	0.005	19.04.2014	नहीं	30.05.2014

12	हैण्ड पम्प	सुधीर मंडल के बगल में	मिस्त्री टोला	27.04.2014	मापन स्तर से कम	5	0.005	19.04.2014	हां	28.05.2014
13	हैण्ड पम्प	रब्बुल के घर के बगल में	मिस्त्री टोला	27.04.2014	मापन स्तर से कम	0.3	मापन स्तर से कम	19.04.2014	हां	28.05.2014
14	हैण्ड पम्प	ंभू भगत के घर के सामने	भूदेव टोला	27.04.2014	मापन स्तर से कम	0.3	0.005	19.04.2014	हां	28.05.2014
15	हैण्ड पम्प	नकुल मंडल के घर के बगल में	भूदेव टोला	27.04.2014	मापन स्तर से कम	1	0.005	19.04.2014	हां	28.05.2014
16	हैण्ड पम्प	हनुमान मंदिर के नजदीक/डॉ. धीरेन	भूदेव टोला	28.04.2014	मापन स्तर से कम	5	0.005	20.04.2014	हां	30.05.2014
17	हैण्ड पम्प	नंद कुमार के घर के सामने	राजवार टोला	28.04.2014	मापन स्तर से कम	5	0.005	20.04.2014	नहीं	30.05.2014
18	हैण्ड पम्प	रघु राजवंशी के घर के सामने	राजवार टोला	28.04.2014	मापन स्तर से कम	0.3	0.005	20.04.2014	नहीं	30.05.2014
19	हैण्ड पम्प	सोष्टी के घर के सामने	राजवार टोला	28.04.2014	मापन स्तर से कम	0.3	0.005	20.04.2014	खराब था	30.05.2014
20	हैण्ड पम्प	हेमू राजवंश के घर के सामने	केवट पारा	28.04.2014	मापन स्तर से कम	1	0.005	20.04.2014	हां	30.05.2014
21	हैण्ड पम्प	रघुवंश के घर के सामने	केवट पारा	28.04.2014	मापन स्तर से कम	1	0.005	20.04.2014	नहीं	30.05.2014
22	हैण्ड पम्प	संसद भवन के सामने	केवट पारा	29.04.2014	मापन स्तर से कम	0.2	0.005	20.04.2014	खराब था	30.05.2014
23	हैण्ड पम्प	ज्ञानी के घर के सामने	केवट पारा	29.04.2014	मापन स्तर से कम	0.2	0.005	21.04.2014	नहीं	28.05.2014
24	हैण्ड पम्प	विद्यालय के सामने	कछेरी	29.04.2014	मापन स्तर से कम	1	0.005	21.04.2014	हां	28.05.2014
25	हैण्ड पम्प	बदरी नारायण शाह के घर के सामने	कछेरी	29.04.2014	मापन स्तर से कम	0.2	0.005	21.04.2014	हां	28.05.2014

26	हैण्ड पम्प	संजय के घर के सामने	सरकापारा	29.04.2014	1	0.3	0.005	21.04.2014	नहीं	28.05.2014
27	हैण्ड पम्प	बैदनाथ मंडल के घर के सामने	सरकापारा	29.04.2014	1	मापन स्तर से कम	0.005	21.04.2014	नहीं	30.05.2014

संलग्नक–2

प्रश्नावली

इस प्रश्नावली के माध्यम से पूछे जाने सवालों के माध्यम से निम्नलिखित बिन्दुओं को समझने का प्रयास किया जायेगा–

- ग्राम पंचायत के स्तर पर परिवारों में पेयजल और उससे संबंधित प्रबंधन की क्या स्थिति है?
- ग्राम पंचायत के स्तर पर पेयजल प्रबंधन को लेकर किस प्रकार की योजनाओं का निर्माण किया जा रहा है और इसमें ग्राम पंचायतें किस प्रकार की भूमिका निभा रही हैं?
- ग्राम पंचायत के स्तर पर पेयजल प्रबंधन को लेकर कौन–कौन सी संस्थायें (व्यक्तिगत/संस्थागत) काम कर रही हैं?
- ग्राम पंचायत के स्तर पर पेयजल से संबंधित बिमारियॉ और उसके संबंध में लोगों में जागरूकता का स्तर क्या है?
- ग्राम पंचायत के स्तर पर शुद्ध पेयजल उपलब कराने के लिये किस प्रकार की क्षमताओं को बढ़ाने की आवश्यकता है?

1. उत्तर दाता के बारे में सामान्य जानकारी

(क) ग्राम पंचायत – .....(ख) जनपद पंचायत – .....

(ग) उत्तरदाता का नाम – ..... (घ) उत्तरदाता की उम्र – .....वर्ष

(च) लिंग – .....महिला/पुरूष..... (छ) जाति – .....

(ज) उत्तरदाता का पद – सरपंच/सचिव/वार्ड पंच/अन्य पदाधिकारी/ग्रामीण

2. ग्राम पंचायत में पेय जल संबंधी जानकारी

(क) आपके ग्राम पंचायत क्षेत्र में पानी के मुख्य स्रोत कौन–कौन से हैं?

हैण्ड पम्प

कुआँ

तालाब/ पोखरा

नहर/ नाला

नदी/बाँध

चूँआ

अन्य

(ख) आपके ग्राम पंचायत क्षेत्र में उपलब्ध पानी के स्रोत का उपयोग किन–किन कार्यों के लिये किया जाता है?

क्रम	स्रोत	उपयोग के प्रकार					
		पीने के लिये	घरेलू कामों के लिये[17]	पशुओं के लिये	सिंचाई के लिये	शवदाह के लिये	अन्य काय
1	हैण्ड पम्प						
2	कुआँ						
3	तालाब / पोखरा						
4	नहर / नाला						
5	नदी / बाँध						
6	चूँआ						
7	अन्य						

(ग) क्या आपके ग्राम पंचायत क्षेत्र में सभी कामों के लिये पूरे साल भर पानी की जरूरत पूरी हो जाती है?

क्रम	जरूरत	समय					
		जाड़ा		गर्मी		बरसात	
		हाँ	नहीं	हाँ	नहीं	हाँ	नहीं
	पीने के लिये						
	घरेलू कामों के लिये						
	पशुओं के लिये						
	सिंचाई के लिये						
	अन्य कार्य						

[17] नहाना, कपड़ा साफ करना, बर्तन साफ करना आदि।

3. परिवार के स्तर पर पेय जल संबंधी जानकारी

(क) आपके परिवार में कितने सदस्य हैं?

(1) 2 से कम

(2) 2 से 5 सदस्य

(3) 6 से 10 सदस्य

(4) 10 से अधिक सदस्य

(ख) आपके घर में पीने के पानी की प्रतिदिन कितनी खपत होती है?

(1) 50 लीटर से कम

(2) 51 लीटर से 150 लीटर

(3) 151 लीटर से 300 लीटर

(4) 301 लीटर से 500 लीटर

(5) 500 लीटर से अधिक

(ग) आपके परिवार के लिये पानी का मुख्य स्रोत क्या है?

(1) हैण्ड पम्प

(2) कुआँ

(3) तालाब / पोखरा

(4) नहर / नाला

(5) नदी / बाँध

(6) चूँआ

(7) अन्य

(घ) पानी का स्रोत आपके घर से कितनी दूर है?

(1) घर की चार–दिवारी में ही

(2) घर से बाहर (10 मीटर की दूरी पर)

(3) 10 मीटर से 100 मीटर के बीच

(4) 100 मीटर से 500 मीटर के बीच

(5) 500 मीटर से अधिक

(च) आपके परिवार में पीन के पानी की जरूरत को पूरा करने में कितना समय लगता है?

(1) 30 मिनट से कम

(2) 30 मिनट से 1 घंटे

(3) 1 घंटे से 2 घंटे

(4) 2 घंटे से अधिक

4. ग्राम पंचायत में पेयजल से संबंधित होने वाली बिमारियॉ

(क) क्या आपके परिवार में साफ पीने का पानी न होने के कारण लोगों में पिछले 6 माह में कोई बीमारी हुई है?

हॉ/नहीं

(ख) यदि हॉ, तो लोगों में प्रायः किस प्रकार की बीमारी होती है?

(1) हैजा

(2) पीलिया

(3) उल्टी/दस्त

(4) त्वचा संबंधी

(5) अन्य

(ग) क्या आपके गाँव में पीने के पानी में किसी प्रकार की अशुद्धि है?

हाँ/नहीं/ पता नहीं

(घ) यदि हाँ, तो क्या आपको पता है कि किस प्रकार की अशुद्धि है?

(1) फलोराइड

(2) आर्सेनिक

(3) आयरन

(4) अन्य

(च) यदि पीने के पानी में कोई अशुद्धि है तो उससे बचने के लिये आप क्या करते हैं?

(1) पानी को छानकर

(2) पानी को उबाल कर

(3) किसी प्रकार के रसायन (चूना, फिटकरी, ब्लीचिंग इत्यादि) को डाल कर

(4) अन्य

5. ग्राम पंचायत में पेयजल योजना के संबंध में जानकारी

(क) क्या आपके ग्राम पंचायत की बैठकों में कभी पंचायत क्षेत्र में पानी की समस्या पर चर्चा की जाती है?

हाँ / कभी–कभी / कभी नहीं

(ख) क्या आपके ग्राम पंचायत के द्वारा योजना बनाते समय पानी की समस्या पर चर्चा की जाती है?

हाँ / कभी–कभी / कभी नहीं

(ग) क्या आपके ग्राम पंचायत के द्वारा अपने ग्राम पंचायत की योजना बनाते समय (2011–12 और 2012–13 में) पानी की समस्या पर योजना बनायी गयी?

हाँ / नहीं

(घ) क्या आपके ग्राम पंचायत में पिछले सालों 2011–12 और 2012–13 में पानी के मुद्दे से जुड़ी किसी योजना को लागू किया गया?

हाँ / नहीं

(च) क्या आपके ग्राम पंचायत में ग्राम जल और स्वच्छता समिति का गठन किया गया है?

हाँ / नहीं

(छ) आपके ग्राम पंचायत में पानी को संरक्षित करने के लिये कौन से परम्परागत तरीके अपनाये जाते हैं?

(1) दाडी

(2) पोखर / तालाब

(3) कुँआ

(4) चूआ

(5) अन्य

(ट) क्या आपके परिवार में शौचालय की व्यवस्था है?

हाँ/ नहीं

(ठ) क्या आपके परिवार के सभी लोग उसका उपयोग करते है?

हाँ/ नहीं

(ड) क्या आपके परिवार का कोई सदस्य खुले में भी शौच करने जाता है?

हाँ/ नहीं

6. पेय जल योजना बनाने के संबंध में पंचायतों की क्षमता की जानकारी

(क) आपके ग्राम पंचायत में पेयजल योजना बनाने के संबंध में कोई प्रशिक्षण दिया गया है?

हाँ/नहीं

(ख) यदि हॉ, तो प्रशिक्षण किन लोगों को दिया गया?

पंचायत प्रतिनिधियों को/ जल सहिया को/ ग्रामीणों को/ अन्य

(ग) यह प्रशिक्षण किस संस्थान के द्वारा दिया गया?

सरकार के विभाग द्वारा/ गैर सरकारी संस्था के द्वारा/ अन्य

(घ) यह प्रशिक्षण कार्यक्रम कितने दिनों का था?

एक दिन/ दो दिन/ दो से अधिक दिन

एनीमेटर के द्वारा साक्षत्कार के बाद आ रहे विचार